डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अख़बार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 212 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | रविवार 18 मई 2025 | मूल्य 2 रुपया

मंदसौर गोलीकांड: सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट में केस लिस्टिंग के आदेश

नई दिल्ली, 17 मई गुरु एक्सप्रेस। सुप्रीम कोर्ट ने मंदसौर गोलीकांड की रिपोर्ट सार्वजनिक करने की याचिका पर सुनवाई की। यह याचिका पूर्व विधायक पारस सकलेचा ने दायर की थी। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से कोई वकील मौजूद नहीं था। रजिस्ट्रार ने केस को सुनवाई के लिए लिस्ट करने के आदेश दिए हैं।

बता दें कि 06 जून 2017 को किसान आंदोलन में पुलिस गोलीबारी से 05 किसानों की मौत हुई थी। जांच आयोग ने 2018 में रिपोर्ट सरकार को सौंप दी थी। लेकिन, यह अब तक विधानसभा में पेश नहीं हुई। हाईकोर्ट से याचिका खारिज होने के बाद यह मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा। जहां केस लिस्टिंग के आदेश हो गए है।

फाईल फोटो

विधानसभा चुनाव के पहले लूटी वाह-वाही...

दो साल से आधे अधूरे करोड़ों की लागत के ब्रिज पर दौड़ रहे वाहन

अधूरे पुल पर स्वीकृति... भूमि पूजन... लोकार्पण.... आवागमन

मंदसौर, 17 मई गुरु एक्सप्रेस। वर्ष 2018 से बनना शुरु हुए संजीत रोड़ ओवरब्रिज दो साल पहले शुरु किया गया। विस चुनाव के पहले वाह वाही लूटने के लिए 2023 में इस पर वाहन दौड़ने लगे। जबकि, पुल का काम अधूरा था। उम्मीद थी कि जल्द ही अधूरे काम पूरे हो जाएंगे। लेकिन, वैसे हुआ नहीं। ब्रिज पर अंधेरे को लेकर कई बार मुद्दा उठा। इसके अलावा भी कई काम बाकी है। हालांकि इसके लिए दो करोड़ के टेंडर किए गए है। अब काम कब शुरु होगा और कब खत्म होगा, यह समय ही बता पाएगा।

संजीत रोड ओवर ब्रिज शुरुआत से ही लेटलतीफी को लेकर चर्चाओं में रहा। दो साल पहले इसकी शुरुआत कर दी गई। लेकिन, आधे अधूरे ब्रिज पर वाहनों को दौडने के लिए आनन फानन में हरी झंडी दी गई। इसका कारण था विधानसभा चुनाव। लेकिन चुनाव होने के बाद मानो ब्रिज को भूल गए। लोगों को सुविधा तो मिली, लेकिन करोड़ों के ब्रिज पर शत प्रतिशत सुविधा का इंतजार आज भी है। एक दर्जन से अधिक कॉलोनियों के अलावा संजीत और शहर के अभिनंदन क्षेत्र को शहर से जोड़ने वाले मुख्य मार्ग पर ओवरब्रिज पांच सालों से अधिक समय से निर्माणाधीन ही है। ठेकेदार काम छोड़ चला गया तो इसे पूरा कराने में विभाग को नए सिरे से बचे हुए कामों के लिए टेंडर करना पड़े और अब दो करोड़ की राशि में यह सब काम पूरे होंगे। इसका काम अब शुरू हुआ। ट्रैफिक शुरू करने के बाद एप्रोच रोड से लेकर विद्युतीकरण के काम हुए। जल्दबाजी में आवागमन शुरू करने के बाद विभागीय अमला ठेकेदार से काम अब तक पूरे नहीं करवा पाया है। अब नया ठेकेदार इन बचे हुए कामों को पूरा करेगा।

दो साल का काम, लग गए सात बरस...

ओवरब्रिज का निर्माण दिसंबर 2018 में प्रारंभ हुआ था। अनुबंध के अनुसार ओवरब्रिज का कार्य दिसंबर 2020 में पूरा होना था। लेकिन ब्रिज का काम लगातार नहीं चला। जिसके चलते तय समय सीमा से पांच साल बाद ब्रिज का निर्माण पूरा हो सका। इसके बाद भी अब तक ब्रिज पर कार्य पूरे नहीं हुए है। करोड़ों का ओवरब्रिज लेटलतीफी में ही उलझा हुआ है। अंतिम दौर के काम पूरे होने से पहले ही ठेकेदार काम छोड़ चला गया। इसके बाद विभाग को अन्य कामों के लिए नए सिरे से टेंडर करना पड़े। इसमें लंबा समय बीत गया। वहीं विद्युतीकरण के लिए 22 लाख रुपए की लागत से अलग से टेंडर किए गए। इसमें भी लंबा समय बीता। इस कारण शहर से संजीत व अभिनंदन क्षेत्र को जोड़ने वाले मुख्य मार्ग पर ओवरब्रिज का काम सालों से चलने के बाद भी पूरा नहीं हो पाया है। ओवरब्रिज पर ट्रैफिक भले ही चालू है, लेकिन फिनिशिंग से जुडे काम बाकी है। जो दो करोड़ की लागत में पूरे होंगे। इन कामों के लिए टेंडर प्रक्रिया पूरी हुई और अब काम शुरू हुआ। इसमें सीसी से लेकर दोनों ओर डामरीकरण के अलावा बाउंड्री सहित अन्य काम होना है। काम के दौरान फिर से ओवरब्रिज पर आवागमन प्रभावित होगा।

यह काम है बाकी...

सिर्फ ओवरब्रिज पर लाईटिंग नहीं बिल्क एप्रोच रोड, बाउंड्री, सीसी सहित फिनिशिंग के काम बाकी थे। करोड़ों के काम बाकी होने के बाद भी आनन-फानन में वर्ष 2023 में विधानसभा चुनाव को देखते हुए दीपोत्सव से पूर्व इस पर ट्रैफिक शुरू कर दिया था। लंबे समय तक लोग अंधेरे में होकर इससे गुजरे तो धुल से लेकर पत्थरों से गुजरे। इसके बाद भी अब तक काम बाकी है। अब बचे हुए कामों के लिए टेंडर प्रक्रिया हुई है। ऐसे में अब बचे हुए सभी काम पूरे होंगे।

मामला डिप्टी सीएम देवड़ा के पुतला दहन का...

बूढ़ा-मल्हारगढ़ में भाजपाई-कांग्रेसी आमने-सामने

हाथापाई-मारपीट की स्थिति बनी, पुलिस को दिखाने पड़े तेवर

मंदसौर, 17 मई गुरु एक्सप्रेस। उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा के कथित विवादित बयान के मामले में कांग्रेस ने कई स्थानो पर पुतले जलाकर विरोध प्रदर्शन किया। मंदसौर में जिला मुख्यालय के अलावा कई जगह पुतला दहन किया गया। जहां नारेबाजी की गई। पुलिस ने पुतला छिनने का प्रयास भी किया। इस दौरान मल्हारगढ़ और बूढ़ा में विवाद की स्थिति बनी। जिसमें भाजपाई और कांग्रेसी आमने-सामने हो गए। इस दौरान दोनों पक्षों के कार्यकर्ताओं पदाधिकारियों में झूमाझपटी भी हुई। कांग्रेसियों ने मारपीट का आरोप भी लगाया है। इधर आधा दर्जन से ज्यादा कांग्रेसियों को पुलिस ने हिरासत में भी लिया। वहीं जिला कांग्रेस अध्यक्ष और विधायक विपीन जैन ने पुलिस कप्तान से मिलकर भाजपाईयों के खिलाफ इस मामले में एफआईआर दर्ज कराने की बात कही है।

मल्हारगढ़ विधायक और उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा का पुतला दहन करने के लिए मल्हारगढ़ और बूढ़ा में कांग्रेसी एकत्रित हुए। पुलिस फोर्स भी यहां मौजूद था। इस दौरान भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी यहां पहुंच गए। इधर कांग्रेसी नारेबाजी कर रहे थे तो इधर भाजपाई पुतला दहन का विरोध करते नजर आए। इस बीच पुलिस पुतला दहन होने से रोकने का काम करने के साथ ही भाजपा और कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को संभालने में मशक्कत करती नजर आई। कुछ देर बाद भाजपाई-कांग्रेसी आमने-सामने हो गए और बात झूमाझपटी, मारपीट तक पहुंच गई। जैसे-तैसे पुलिस ने स्थिति पर नियंत्रण किया। इसके बाद पुतला दहन को रोकने के लिए पुलिस ने फायर ब्रिगेड के माध्यम से पानी का उपयोग किया। पुलिस कांग्रेसी कार्यकर्ताओं को पकड़ते हुए नजर आई। कांग्रेसियों का कहना था कि सेना के खिलाफ दिया गया श्री देवड़ा का बयान सेना का अपमान है। जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इधर भाजपाईयों का कहना था कि कांग्रेस ने बयान को तोड़मरोड़ कर पेश किया। इसे जबरन मुद्दा बनाया जा रहा है। क्षेत्र में मल्हारगढ़ विधायक और उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा का विरोध प्रदर्शन नहीं होने दिया जाएगा।

इनका कहना...

मल्हारगढ़ एवं बूढ़ा में कांग्रेस के प्रदर्शन के दौरान पुलिस प्रशासन मौजूद था। भाजपा कांग्रेस के बीच कुछ विवादित परिस्थितियां बनी। पुतला दहन नहीं हुआ। अत्यधिक जोश के कारण आठ दस कांग्रेसियों को हिरासत में लिया गया है।

नरेंद्र सोलंकी
एसडीओपी, मल्हारगढ़

कांग्रेस अध्यक्ष के साथ मारपीट का आरोप...

कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल पुलिस कप्तान से मिला

मंदसौर, 17 मई गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आव्हान पर पूरे प्रदेश में सेना का कथित रूप से अपमान करने पर उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, कैबिनेट मंत्री विजय शाह के पुतले जलाए गए। इसी कड़ी में मंदसौर जिले में भी सभी ब्लॉक में प्रदर्शन किए गए। संजीत ब्लॉक में ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष ईश्वरलाल धाकड़ के नेतृत्व में बूढ़ा में प्रदर्शन चल रहा था। इस दौरान भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं द्वारा ईश्वर लाल धाकड़ एवं कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर मारपीट का आरोप कांग्रेस ने लगाया है। जिसमें ईश्वरलाल धाकड़ को गंभीर चोटे आई। इस मामले को लेकर जिला कांग्रेस अध्यक्ष विपिन जैन के नेतृत्व में जिला कांग्रेस के प्रतिनिधि मंडल ने पुलिस अधीक्षक अभिषेक आनंद से मुलाकात की एवं दोषियों के विरुद्ध ठोस कार्रवाई की मांग की।

विधायक श्री विपिन जैन ने एक पत्र भी पुलिस अधीक्षक को सौपा एवं अनुरोध किया कि इस तरीके से लोकतंत्र में ऐसी घटनाएं होना दुर्भाग्यपूर्ण है। इस मामले में जो भी दोषी हों उनको चिन्हित करके उनके विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए। प्रतिनिधि मंडल में विधानसभा प्रत्याशी परशुराम सिसोदिया, शहर कांग्रेस अध्यक्ष डॉ राघवेंद्र सिंह तोमर, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अनिल शर्मा, ब्लॉक अध्यक्ष गोपाल विश्वकर्मा, जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष लियाकत मेव, जिला पंचायत सदस्य भोपाल सिंह सोलंकी, जनपद सदस्य सत्यनारायण पाटीदार, ब्लॉक कांग्रेस ग्रामीण अध्यक्ष विकास दसोरा, जिला कांग्रेस पदाधिकारी मनजीतसिंह टुटेजा, सुनील बसेर, विजेश मालेचा, कोहिनूर मेव, अनिल मसानिया सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस जन मौजूद थे।

तीन दिन और बिगड़ा रहेगा मौसम का मिजाज

मंदसौर, 17 मई गुरु एक्सप्रेस। आज से तीन दिन अर्थात 20 मई तक आंधी-बारिश के साथ लू भी चलेगी। शनिवार को मंदसौर समेत 39 शहरों में आंधी और बारिश का अलर्ट था। जबकि, 03 जिले- रीवा, मऊगंज और उमरिया में रातें गर्म रही। सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया कि प्रदेश में 03 साइक्लोनिक सर्कुलेशन और एक टर्फ की एक्टिविटी है। इस वजह से बारिश और आंधी चल रही है। बारिश के साथ गर्मी का असर भी देखने को मिलेगा। इसके लिए अलर्ट जारी किया है।

मई की शुरुआत से ही पश्चिमी विक्षोभ, चक्रवात के कारण बादल, बारिश की स्थिति लगातार बन रही है। इससे तापमान ज्यादा नहीं बढ़ा। इस सीजन में अब तक एक बार भी लू नहीं चली है। शनिवार को तेज धूप भी खिली। इसके चलते तापमान बढ़ा व उमस वाली गर्मी से लोग परेशान रहे। मौसम विभाग की मानें, तो मंदसौर सहित सभाग के जिलों में बादलों की मौजूदगी फिलहाल बनी रहेगी। कहीं-कहीं तेज हवा चलने व बारिश के आसार हैं। 20 मई तक मौसम का मिजाज बिगड़ा रहेंगा।

शनिवार को दिन के अधिकतम तापमान में इजाफा हुआ। वातावरण में नमी व गर्मी के चलते जोरदार उमस से लोग परेशान रहे। रात का न्यूनतम तापमान 28.2 से लुढ़ककर 27.3 डिग्री दर्ज हुआ। यह सामान्य था। मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश में साइक्लोनिक सर्कुलेशन और ट्रफ की गतिविधियां सक्रिय हैं। इस वजह से बारिश और आंधी की स्थिति बनी हुई है। अगले दो-तीन दिन में गर्मी का असर भी बढ़ेगा।

बोर्ड परीक्षा द्वितीय चांस का टाइम टेबल जारी

भोपाल, 17 मई गुरु एक्सप्रेस। माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल की 10वीं व 12वीं की परीक्षा में फेल हुए या रिजल्ट सुधारने वाले स्टूडेंटस के लिए दूसरे चांस की बोर्ड परीक्षा 17 जून से शुरू होगी। इन विद्यार्थियों के लिए स्कूलों में कक्षाएं लगाने के निर्देश दिए गए है। इसमें जिन विषयों में छात्र कमजोर रहे हैं, उन विषय पर ध्यान देकर शिक्षकों द्वारा रिवीजन कराया जाएगा। इस संबंध में भोपाल से शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने प्राचार्यों व जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देश जारी कर दिए हैं। परीक्षा में शामिल होने वाले परीक्षार्थियों को दो पेपर के बीच कम गैप मिलेंगी और पेपर में समय भी कम है। इसलिए तेजी के साथ रिवीजन कराया जाएगा।

सुबह 09 बजे से शुरू होगी परीक्षा...

दोनों परीक्षा का समय सुबह 09 से 12 बजे तक रहेगा। 10वीं की परीक्षा 17 से 26 जून तक चलेगी। इंग्लिश की परीक्षा 19 जून को होगी, जबकि गणित की 21 जून को है। 23 जून को साइंस का पेपर होगा। पहली परीक्षा में ज्यादा गैप दिया गया था। इन तीन विषयों में ही सबसे ज्यादा परीक्षार्थी फेल हुए हैं।

12वीं की परीक्षा 17 जून से 5 जुलाई तक चलेगी। परीक्षा के लिए जिस तरह के नियम पहली परीक्षा में थे, वैसे ही दूसरी परीक्षा में भी रहेंगे। परीक्षार्थियों को इनका पालन करना होगा।

जुलाई में आएगा 12वीं का रिजल्ट...

मंडल की ओर से जुलाई में ही कक्षा 12वीं का रिजल्ट घोषित करने की संभावना है। क्योंकि, जुलाई में रिजल्ट आने पर छात्र कॉलेज में एडमिशन भी ले सकते हैं। जबकि, 10वीं का रिजल्ट लेट होने की संभावना है।

सप्लीमेंट्री का प्रावधान खत्म...

बोर्ड परीक्षा में इस बार किसी भी विद्यार्थी को सप्लीमेंट्री नहीं दी गई है। जो परीक्षार्थी फेल हो गए हैं वे अब जून में होने वाली दूसरी परीक्षा में शामिल हो सकेंगे। खास बात यह है कि इस बार परीक्षार्थी कितने भी विषयों में फेल हुआ हो, वह आसानी से दूसरी परीक्षा में बैठ सकता है। सिर्फ यही नहीं है जो विद्यार्थी पास हो गए हैं, वह भी नंबर बढ़ाने के लिए दूसरी परीक्षा में शामिल हो सकते हैं।

शनिवार को भी रजिस्ट्री दफ्तर खुलेंगे

मंदसौर, 17 मई गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर-नीमच सहित पूरे प्रदेश में शनिवार को भी रजिस्ट्री दफ्तर खोले जाएंगे। इसके आदेश महानिरीक्षक पंजीयन अमित तोमर ने 16 मई को जारी किए हैं। जिसका कर्मचारी विरोध कर रहे है।

आदेश के मुताबिक, इंदौर, भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर, उज्जैन, रीवा, सागर और नर्मदापुरम जिलों में मई के हर शनिवार को दफ्तर खुलेंगे। हर शनिवार एक-एक पंजीयन अधिकारी की ड्यूटी लगाई जाएगी। आदेश में वजह यह बताई गई कि फसल के बाद जमीन की खरीदी-बिक्री बढ़ती है। मप्र पंजीयन विभाग अधिकारी-कर्मचारी संघ ने इस आदेश का विरोध शुरू कर दिया है। संघ ने बताया कि मार्च 2025 में शुरू हुआ संपदा 2.0 पोर्टल लगातार तकनीकी परेशानिया दे रहा है। संघ ने चेतावनी दी कि यदि आदेश वापस नहीं लिया गया तो कर्मचारी सामूहिक अवकाश पर जाएंगे।

आखिर क्या कर रहा है मंदसौर परिवहन विभाग..?

नीमच में सभी बसों की हो रही चेकिंग, मंदसौर में स्टाफ की कमी का रोना

मंदसौर, 17 मई गुरु एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश के बाद जहां नीमच सहित प्रदेशभर में बसो की जांच कर कारवाई हो रही है। वहीं, मंदसौर का परिवहन विभाग नींद से जागने का नाम नहीं ले रहा है। हमेशा की तरह इस बार भी स्टाफ की कमी का रोना रोया जा रहा है। जबकि, नीमच में धड़ल्ले से कारवाई करते हुए अधिकारी सभी बसो की चेकिंग कर रहे हैं। इधर मंदसौर में एक दो दिन औपचारिकता निभाई गई। जिसमें कोई खास कार्रवाई नहीं हुई। बड़े रसूखदार बस चालकों को सीएम के निर्देश के बाद भी अभयदान दिया जा रहा है। ट्रेवल्स की बसों में झांकने की हिम्मत तक अधिकारी नहीं कर पा रहे है।

इधर नीमच जिला मुख्यालय पर बसों की नियमित रूप से जांच हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है। बसों पर कार्रवाई की जा रही है। कुछ बसों को जब्त भी किया गया है। चिंता की बात यह है कि जांच के दौरान बसों में आवश्यक सुविधाएं तक नहीं पाई गई। इनमें अग्निशमन यंत्र, फर्स्ट एड बॉक्स यहां तक कि बस चालक भी वर्दी में नहीं मिले। इनपर चालानी कार्रवाई की गई। शुक्रवार को 75 वाहनों पर चालानी कार्रवाई करते हुए 39 हजार 300 रुपए का समन शुल्क वूसला गया। अभियान के तहत बसों के फिटनेस, परमिट, अग्निशमन यंत्र, फर्स्ट एड बॉक्स, निर्धारित मात्रा से अधिक सवारी बैठाने, मोटर व्हीकल एक्ट के नियमों का पालन नहीं करने आदि को लेकर नियमानुसार चालानी कार्रवाई की जा रही है।

नीमच में पिछले 04 दिनों से चल रही कार्रवाई से बस संचालकों में हड़कम्प मचा हुआ है। सड़कों पर दौड़ने वाली अनफिट बसों पर नकेल कसे जाने से कार्रवाई के डर से उन्होंने रूट तक बदल लिए हैं। यातायात प्रभारी ने बताया

कि वर्तमान में स्कूल बंद होने से सभी स्कूल संचालकों को सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन के साथ पत्र लिखे गए हैं। उन्हें निर्देश दिए हैं कि स्कूल बसों की जांच कराकर बस चालकों के चरित्र सत्यापन भी करवाएं।

मालवांचल के डान मराठा ने कांग्रेस नेता पर लगाया...

पाकिस्तानी मेजर से सम्बन्ध होने का सनसनीखेज आरोप

रतलाम, 17 मई गुरु एक्सप्रेस। मालवांचल के डान सुधाकर राव मराठा ने शहर के कांग्रेस नेता मुबारिक खान पर पाकिस्तानी सेना के एक मेजर से सम्बन्ध रखने का सनसनीखेज आरोप लगाया है। मराठा ने जांच एजेंसियों से मांग की है कि वे इस मामले की गंभीरता से जांच करवाएं।

मराठा ने अपने फेसबुक प्रोफाइल पर एक महिला की आडियो क्लिप साझा की है, जिसमें उक्त महिला मुबारिक खान के सम्बन्ध पाकिस्तानी सेना के एक मेजर से होने की बात कह रही है। इस आडियो क्लिप में उक्त महिला, सुधाकर मराठा से बात कर रही है और बता रही है कि कांग्रेस नेता मुबारिक खान पाकिस्तानी सेना के मेजर से अक्सर व्हाटसएप काल के जरिये बात करते थे। महिला यह भी कहती हुई सुनाई देती है कि मुबारिक खान पाकिस्तानी मेजर का कोई काम करने की बात कह रहा है। इसी आडियो क्लिप में महिला मराठा से कहती है कि मुबारिक खान ने मराठा को झूठे प्रकरण में फंसाने का भी षडयंत्र किया था। उल्लेखनीय है कि कुछ ही दिनों पहले कांग्रेस नेता मुबारिक खान का एक महिला से विवाद हुआ था, जिसके बाद उक्त महिला की रिपोर्ट पर मुबारिक खान के विरुद्ध मारपीट का आपराधिक प्रकरण भी दर्ज किया गया था। अपनी फेसबुक पोस्ट में मराठा ने यह दावा किया है कि आडियो क्लिप उसी महिला की है, जिसने मुबारिक खान के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराई थी। मराठा की उक्त फेसबुक पोस्ट शनिवार को ही साझा की गई है। मराठा के इस फेसबुक पेज के करीब छः हजार फालोअर है।

विचार-मंथन

समय को दोष देना छोड़ करना चाहिए सकारात्मक कार्य

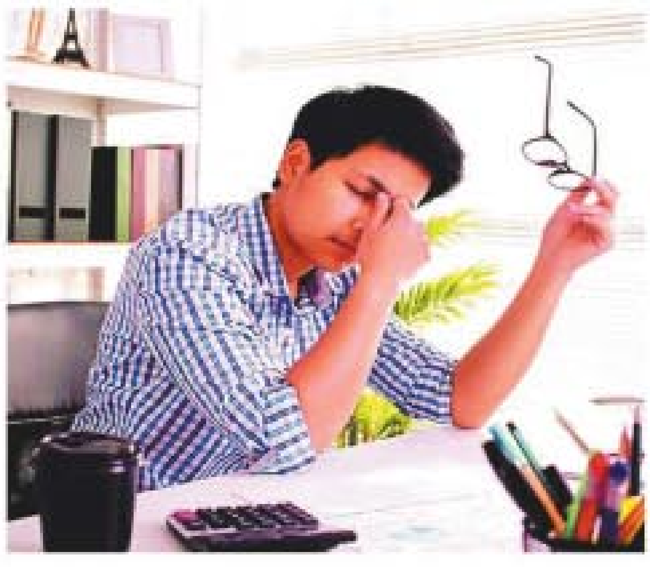

हमारी मानसिकता आज ऐसी हो गई है कि हम अपनी असफलताओं और कठिनाइयों का उत्तर समय पर मढ़ देते हैं। हमारी यह आदत बन चुकी है कि जब किसी कार्य में सफलता नहीं मिलती, तो हम तुरंत कह देते हैं- 'अब पहले जैसा समय नहीं रहा।' लेकिन सच्चाई यह है कि समय को दोष देकर हम अपने कर्तव्यों से बच नहीं सकते। समय तो एक मौन साक्षी है, जो न किसी की प्रशंसा करता है, न आलोचना। वह केवल चलता रहता है। हर युग में समय ने किसी को महान बनाया है, तो किसी को नष्ट भी किया है। यह सब उस व्यक्ति की सोच, उसके कर्म और दृष्टिकोण पर निर्भर रहा है। आज हम एक ऐसे दौर में हैं जहां तकनीक, संसाधन और अवसर पहले से कहीं अधिक हैं। बावजूद इसके, लोग अधिक तनावग्रस्त हैं, अधिक असंतुष्ट हैं। इसका कारण केवल बाहरी नहीं, आंतरिक है। हमारी सोच नकारात्मकता से भर गई है, हमारी सहनशीलता में कमी आई है और हमने अपने जीवन की बागडोर दूसरों या 'समय' के हाथों में सौंप दी है। जबकि सच्चाई यह है कि जीवन की दिशा और दशा हमारे ही हाथ में होती है। हम जैसा सोचते हैं, महसूस करते हैं, वैसा ही जीवन बनाते हैं। हमारी इस प्रवृत्ति का असर हमारे परिवार, समाज और राष्ट्र पर भी पड़ता है। जब कोई युवा प्रयास करने से पहले ही यह मान लेता है कि 'अब समय अच्छा नहीं है', तो वह कभी पूरी तरह प्रयास ही नहीं करता। जब कोई बुजुर्ग वर्तमान पीढ़ी की आलोचना करते हुए कहता है कि 'हमारे समय में ऐसा नहीं होता था', तो वह अपनी जिम्मेदारी से बच जाता है। समय को कोसना आसान है, लेकिन आत्ममंथन करना कठिन। और हम आसान रास्ता चुनते हैं। यह प्रवृत्ति केवल व्यक्तियों तक सीमित नहीं रही। यह समाज की सोच बन चुकी है। हम अपने आसपास देख सकते है कि कैसे ज्यादातर लोग अपनी असफलता, आलस्य और कमजोरी का कारण समय को मानते हैं। लेकिन वह समय किसी अन्य व्यक्ति के लिए अवसर बन जाता है। इतिहास ऐसे अनगिनत उदाहरणों से भरा पड़ा है, जब विषम परिस्थितियों में भी कुछ लोगों ने असाधारण कार्य किए। उन्होंने समय को साधन नहीं माना, बल्कि साधना का माध्यम बनाया। हमें यह समझना होगा कि सोच की शुद्धता ही जीवन में सच्चा परिवर्तन ला सकती है। कोई भी व्यक्ति एक दिन में सफल नहीं होता, लेकिन हर दिन का छोटा प्रयास मिलकर बड़ी सफलता का आधार बनता है। और यह तभी संभव है जब हम समय से भागें नहीं, बल्कि उसका सम्मान करें, इसका उपयोग करें। समय न किसी के पक्ष में है, न विरोध में। वह केवल अवसर देता है- हर व्यक्ति को, हर दिन को। यह हम पर निर्भर करता है कि हम उस अवसर का क्या करते हैं। जो लोग समय को दोष देने में लगे रहते हैं, वे प्रगति की राह से भटक जाते हैं। वहीं, जो व्यक्ति समय को साधते हैं, अनुशासन में रहते हैं और हर दिन को एक नई शुरुआत मानते हैं, वे अपने जीवन में सफलता की ऊंचाइयां छूते हैं। इसके लिए हमें आत्मचिंतन की आवश्यकता है। हमारी सबसे बड़ी जंग बाहरी हालात से नहीं, हमारी आंतरिक सीमाओं से है। जब तक हम अपनी सोच को परिवर्तित नहीं करेंगे, तब तक कोई भी परिस्थिति हमारे अनुकूल नहीं बन सकती। हमें यह भी स्वीकार करना होगा कि सकारात्मक परिवर्तन केवल सोचने से नहीं आता, उसके लिए निरंतर अभ्यास, अनुशासन और आत्मनियंत्रण चाहिए। हमें खुद को उन आदतों से मुक्त करना होगा जो हमारी प्रगति में बाधा बनती हैं। जैसे टालमटोल की प्रवृत्ति, दूसरों को दोष देना, और निरंतर शिकायत करना। जब हम इन आदतों से ऊपर उठते हैं, तभी हम जीवन की वास्तविक उन्नति की ओर बढ़ सकते हैं। परिवर्तन की यात्रा स्वयं से शुरू होती है। अगर हम चाहते हैं कि समाज बदले, देश बदले, तो पहले हमें स्वयं को बदलना होगा। अपने विचारों को ऊंचा करना होगा, अपने कार्यों को उद्देश्यपूर्ण बनाना होगा और हर दिन को एक नई शुरुआत की तरह जीना होगा। यही वह रास्ता है जो हमें अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाता है।

दुनिया को समझना होगा, भारत का न्यू नॉर्मल

डॉ. आशीष वशिष्ठ

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुद्ध पूर्णिमा दिन राष्ट्र के नाम अपने 22 मिनट के संबोधन में पाकिस्तान को स्पष्टतः चेता दिया कि अगर हमारे भारत की ओर आँख उठाकर भी देखा तो वो हश्र होगा कि दुनिया याद करेगी। राष्ट्र के नाम संदेश के अगले दिन पीएम ने आदमपुर एयरबेस पहुंचकर जवानों का उत्साह और मनोबल बढ़ाया। आदमपुर में प्रधानमंत्री के साथ समवेत स्वर में जब जवानों ने भारत माता की जय का उद्घोष किया तो उस निनाद की गूंज और प्रतिध्वनि पाकिस्तान ही नहीं अखिल विश्व ने स्पष्ट तौर पर सुनी। पीएम ने अपने संबोधन में जितनी स्पष्टवादिता, दृढ़ता और विश्वास के साथ सधे और नपे-तुले शब्दों में अपनी बात विश्व के समक्ष रखी है, ऐसा साहस उनका कोई पूर्ववर्ती दिखा नहीं सका। पाकिस्तान के साथ अब तक हुए चार युद्ध, बालाकोट और उरी स्ट्राइक में उसे इतने गहरे घाव नहीं लगे, जितने ऑपरेशन सिंदूर ने उसे दिये। अपने स्वभाव से विवश पाकिस्तान पहलगाम आतंकी घटना के बाद इसी सोच के साथ रहा होगा, भारत प्रत्युत्तर में अधिक से अधिक एयर स्ट्राइक या उरी जैसा आक्रमण करेगा। लेकिन उसके अनुमान और विचार धरे के धरे रह गए। और भारत ने जो विध्वंस ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से मचाया, उसकी कल्पना भी आतंकियों और उनके जन्मदाताओं एवं शरणदाताओं की कल्पना से भी परे थी।

भारत ने लड़ाई के मोर्चे पर ही नहीं, बल्कि सिंधु जल संधि को स्थगित करने जैसा ऐतिहासिक और साहसी कदम भी उठाया। 1965, 1971 और 1999 कारगिल युद्ध और तमाम छोटी-बड़ी आतंकी घटनाओं में पाकिस्तान की स्पष्ट भूमिका के उपरांत सिंधु जल संधि स्थगित करने का साहस भारत दिखा नहीं पाया। बालाकोट और उरी स्ट्राइक, जम्मू कश्मीर में धारा 370 को खत्म करने जैसे बड़े कदम उठाने के बाद भी पाकिस्तान भारत को हल्के में लेता रहा। वास्तव में त्रुटि पाकिस्तान की नहीं, हमारी ही रही। हमारे देश के भीतर एक ऐसी मंडली है, जिनके हृदय में भारत से अधिक पाकिस्तान के लिये प्रेम, पक्षपात और दया भावना उछाल मारती है। यही मंडली हर आतंकी घटना के बाद भारत पाकिस्तान के विरुद्ध कड़े कदम उठाने का प्रपंच और स्वांग रचती है। प्रोपेगेंडा करने और नैरेटिव गढ़ने में इस मंडली को महारत प्राप्त है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भी ये मंडली सक्रिय हो गई थी। वो अलग बात है कि इस बार यह अपना एजेंडा चलाने में सफल नहीं हुई। वहीं पाकिस्तान को सख्त सबक सिखाने की बजाय जुबानी जमा खर्च ज्यादा करने की जो परंपरा नेहरू-इंदिरा के शासन में फली फूली, 2014 में मोदी सरकार के गठन से पूर्व तक भारत उसी नीति का सिर झुकाकर अनुसरण करता रहा। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भी पाकिस्तान को प्रत्युत्तर में एयर स्ट्राइक से अधिक की उम्मीद नहीं थी। उसे लग रहा था भारत की सत्ता संभालने वालों में बड़े, प्रभावशाली और कठोर निर्णय लेने का राजनीतिक साहस नहीं है। लेकिन पाकिस्तान पता नहीं यह कैसे भूल गया कि पीएम मोदी खतरे उठाने और साहसी निर्णय लेने के लिए जाने जाते हैं। उनकी प्रसिद्धि, साख और लोकप्रियता की यूएसपी जोखिम उठाना ही तो है। पीएम मोदी की दृढ़ राजनीतिक इच्छा शक्ति का समर्थन पाकर हमारे वीर जवानों ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से भारत ने पाकिस्तान को उदाहरण के साथ अच्छे से समझा दिया है कि अब खेल बदल चुका है। खेल के खिलाड़ी बदल चुके हैं। भारत की सत्ता जिनके हाथों में है, उनका नारा नेशन फर्स्ट का है। ऑपरेशन सिंदूर के रूप में भारत ने न केवल आतंक के पोषक और जनक पाकिस्तान को करारा उत्तर दिया, बल्कि एक नया सैन्य और रणनीतिक सिद्धांत स्थापित कर दिया।

7 से 10 मई के बीच चार दिनों तक चले इस सीमित, लेकिन तीव्र सैन्य अभियान ने न केवल पाकिस्तान को सैन्य रूप से झकझोर कर रख दिया, बल्कि वैश्विक मंच पर भारत की साख, क्षमता और इच्छाशक्ति का ऐसा प्रदर्शन किया जो दशकों में पहली बार देखा गया। ऑपरेशन सिंदूर से भारत ने यह स्पष्ट कर दिया कि आतंक के विरुद्ध अब वह चुप नहीं बैठेगा, घर के भीतर घुसकर मारेगा। पहलगाम घटना के बाद भारत ने बातें नहीं की, डोजियर सौंपने की तैयार नहीं की, सीधे घर में घुसकर मारा, सीधे एक्शन लिया। पाकिस्तान के अंदर घुसकर 15 से अधिक आतंकियों और सेना से जुड़े ठिकानों को नष्ट भ्रष्ट कर दिया। भारत ने केवल आतंकी ठिकानों पर नहीं, उनके ड्रोन कंट्रोल सेंटर और एयरबेस तक को निशाना बनाया। ये दिखाने के लिए कि अगर आवश्यकता पड़ी, तो भारत सीधे उनके सीने तक पहुंच सकता है। ऑपरेशन सिंदूर का उद्देश्य बहुत स्पष्ट था- आतंक का ढांचा तोड़ना, अपनी सैन्य ताकत दिखाना, शत्रु को पुनः सोचने के लिए विवश करना और विश्व को यह बताना कि यह परिवर्तित भारत है। और यह परिवर्तित भारत अब नई सुरक्षा नीति पर चल रहा है। यह बदला हुआ भारत है, भारत के इस बदले हुए मिजाज और कड़े निर्णय लेने के साहस को पाकिस्तान समझने से चूक गया। जिसका परिणाम अखिल विश्व के समक्ष है। भारत ने घर में घुसकर जब चाहा, जहां चाहा, वहां हमला किया। आतंकी खत्म किये, आतंक के ठिकाने ध्वस्त किये और पाकिस्तान के सैन्य हमलों को अपाहिज और पंगु बना डाला। भारतीय सेना और हमारे डिफेंस सिस्टम की श्रेष्ठता और सटीकता ने पाकिस्तान ही नहीं उसके सहयोगियों और हितैषी अमेरिका, चीन और तुर्की के जेट फाइटर, ड्रोन्स, एयर डिफेंस सिस्टम और आयुध की निम्न गुणवत्ता को अनावृत कर डाला। पाकिस्तान में फलने फूलने वाले आतंकियों को कड़ी सीख देने के लिए अच्छी तरह चिंतन-मंथन के बाद ऑपरेशन सिंदूर संचालित हुआ। इसे स्वैच्छिक युद्ध में परिवर्तित नहीं होने दिया गया, लेकिन आतंक को कठोर उत्तर भी दे दिया गया। भारत ने ये दिखा दिया कि अब युद्ध का अर्थ केवल बम-विस्फोट और सीमा लांघना नहीं होता। अब लड़ाई सोच-समझकर, सीमित परिधि में और स्पष्ट उद्देश्य के साथ लड़ी जाती है। ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम ने विश्व समुदाय को स्पष्ट तौर पर बता दिया है कि अब हम किसी और के आश्रित नहीं है। ना अमेरिका की ओर देखा, ना रूस से पूछा और ना ही संयुक्त राष्ट्र से कोई सहायता मांगी। जो करना था, स्वयं उसकी कार्य योजना बनाई, और स्वयं ही उसे धरती पर उतारा। ये वही भारत है जो कभी हमलों के बाद बयान देता था और अंतरराष्ट्रीय सहायता की प्रतीक्षा करता था। लेकिन इस बार भारत ने ये दिखा दिया कि अब हम अपने निर्णय स्वयं लेते हैं और अपनी लड़ाई स्वयं अपने सामर्थ्य से लड़ते हैं। यह भारत की रणनीतिक आत्मनिर्भरता का स्पष्ट संकेत है, यानी अब हम दूसरों की सहमति या सहायता पर नहीं, अपनी सोच, शक्ति, सामर्थ्य और साधनों पर विश्वास करते हैं। ऑपरेशन सिंदूर का उद्देश्य ना राष्ट्र पर आधिपत्य की कामना थी, ना किसी सरकार गिराने या परिवर्तन की। एकमात्र बात विश्व को बतानी थी कि यदि भारत पर आक्रमण हुआ, तो उत्तर अवश्य मिलेगा और ऐसा मिलेगा कि पुनः सोचने पर विवश कर देगा।

नापाक हरकतों से बाज नहीं आ रहा चीन

भारतीय जमीन पर दावेदारी जताने की युक्तियां चीन सदा से खोजता रहता है। अरुणाचल को वह अपना हिस्सा बताता रहा है। उसके सैनिक वास्तविक नियंत्रण रेखा लांघने का प्रयास करते हैं। इस वजह से कई मौकों पर दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ जाता है। करीब पांच वर्ष पहले उसके सैनिक गलवान घाटी में घुस आए थे, जिन्हें रोकने में खूनी संघर्ष हुआ। तबसे दोनों देशों के रिश्ते तनावपूर्ण बने हुए हैं। इस बीच उसने अरुणाचल की कुछ जगहों के नाम बदल कर यह जताने का प्रयास किया कि वे उसका हिस्सा हैं।

2017 में उसने अरुणाचल प्रदेश के छह स्थानों के नए नाम की सूची जारी की थी।उसके बाद 2021 में पंद्रह स्थानों वाली दूसरी सूची और 2023 में ग्यारह अतिरिक्त स्थानों के नाम वाली एक और सूची जारी की थी। पिछले महीने तीस स्थानों के नाम बदल कर उसने एक और सूची जारी कर दी। अब कुछ और जगहों के नाम बदल दिए हैं। उसकी इस हरकत पर हर बार भारत की तरफ से तीखी प्रतिक्रिया दी जाती रही है, फिर भी वह अपनी चालबाजी से बाज नहीं आता। भारत ने फिर दोहराया है कि अरुणाचल हमेशा से भारत का अंग रहा है और रहेगा। नाम बदल देने से कोई जगह किसी और की नहीं हो जाती। हालांकि भारत और चीन की सीमारेखा बहुत पहले से चिह्नित है, मगर चीन अपनी विस्तारवादी नीति के तहत उसे मानने से इनकार करता रहा है। भारत के हिस्से की जमीन पर कब्जा करने के इरादे से वह चोरी-छिपे और चालबाजी से घुसपैठ करने की कोशिशें करता रहता है। इसी नीति के तहत वह भारत के पड़ोसी देशों में अपनी पैठ बना कर पुलों, सड़कों, व्यावसायिक केंद्रों आदि का निर्माण कर भारत की सीमा पर तनाव पैदा करने की कोशिश करता रहा है। मगर भारत की सामरिक शक्ति और रणनीतिक सूझ-बूझ के चलते उसे कामयाबी नहीं मिल पाती।

अभी आपरेशन सिंदूर के तहत भारत ने पाकिस्तान समर्थित आतंकवादी ठिकानों को ध्वस्त करने का अभियान चलाया, तब भी चीन उसके समर्थन में उतर आया। भारत ने जब भी पाकिस्तान में पनाह पाए आतंकियों को अंतरराष्ट्रीय आतंकवादियों की सूची में डलवाने का प्रयास किया, चीन संयुक्त राष्ट्र में अपने वीटो का प्रयोग कर उसे रोकने की कोशिश करता रहा है, जबकि पूरी दुनिया आतंकवाद के खिलाफ युद्ध का समर्थन करती रही है।

चीन अच्छी तरह जानता है कि केवल जगहों के नाम बदल देने से वह इलाका उसका नहीं हो जाएगा। मगर फिर भी इस तरह की हरकतें करके वह समझता है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय उसे स्वीकार कर लेगा। पिछले ओलंपिक के समय अरुणाचल की दो खिलाड़ियों को इसलिए उसने प्रवेश से रोक दिया था कि अरुणाचल के किसी दस्तावेज पर भारत का नाम वह स्वीकार नहीं करता।

कुछ मौकों पर तो वह अरुणाचल को अपने नक्शे में शामिल कर दुनिया के सामने साबित करने की कोशिश कर चुका है कि वह उसका इलाका है। मगर भारत की तरफ से मिले सख्त प्रतिरोध की वजह से उसे हर बार मुंह की खानी पड़ी है। दरअसल, भारत की बढ़ती आर्थिक और सामरिक ताकत चीन को चुभती रही है, इसलिए वह चोरी, चालाकी और चालबाजी से भारत को कमजोर करने की चालें चलता रहता है। विचित्र है कि वह सीमा विवाद को बातचीत के जरिए सुलझाने की बातें तो करता है, पर इसके लिए कोई गंभीर पहल कभी नहीं करता।

सेना में महिलाओं की संख्या को लेकर सवाल

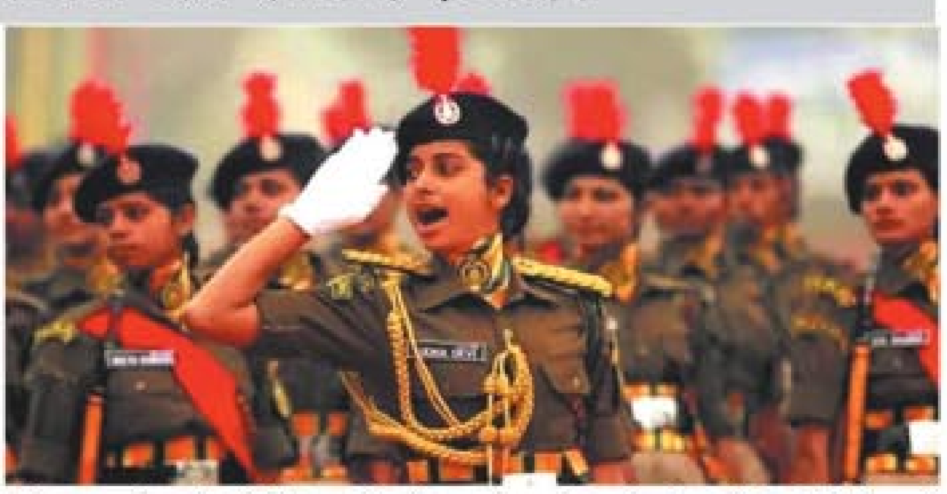

सेना में स्त्री-पुरुष समानता सुनिश्चित करने में भारत की प्रगति धीमी रही है। बावजूद इसके, महिलाएं तमाम चुनौतियों को पार करते हुए सेना के तीनों अंगों में अपनी जगह बना रही हैं और धीरे-धीरे अग्रणी भूमिका में भी दिखने लगी हैं। मगर यह संख्या अब भी संतोषजनक नहीं है। पुरुषों के मुकाबले जिस अनुपात में महिलाओं को सेना में अवसर मिलना चाहिए, उस पर प्राय-सवाल उठते रहे हैं। कोई दोराय नहीं कि जब जीवन के हर क्षेत्र में महिलाएं पुरुषों के कंधे से कंधा मिला कर चल रही हैं, तो सैन्य बलों में उनकी प्रतिभागिता पर्याप्त रूप से क्यों नहीं बढ़ाई जानी चाहिए? अभी सेना में महिलाओं की उपस्थिति कोई बहुत उत्साहवर्धक नहीं है। शीर्ष न्यायालय ने उचित ही सवाल किया है कि जब महिलाएं रफाल उड़ा सकती हैं, तो सेना की कानूनी शाखा में उनकी संख्या सीमित क्यों है। वे शीर्ष पदों पर क्यों नहीं नियुक्त हो सकतीं। स्थायी कमीशन के लिए भी सेना में कार्यरत महिलाओं को लंबा संघर्ष करना पड़ा था। अपने अधिकारों के लिए उन्हें कानूनी लड़ाई लड़नी पड़ी थी। तब शीर्ष न्यायालय के एक महत्वपूर्ण फैसले के बाद सेना में उच्च पद पर उनके पहुंचने का रास्ता खुला था। स्त्री-पुरुष समानता के सवाल पर अदालतें सरकार को अपनी मानसिकता बदलने की नसीहत देती रही हैं। महिलाओं को स्थायी कमीशन देने का फैसला सुनाते समय भी जब अदालत ने सरकार को टोका था, तो उसका कहना था कि रक्षा बलों में पुरुष अभी महिला अधिकारियों की कमान स्वीकार करने के लिए मानसिक रूप से प्रशिक्षित नहीं हो पाए हैं। मगर अब तो अग्रिम मोर्चे में महिलाएं कई अहम भूमिकाएं निभाने लगी हैं। सीमित संख्या में ही सही, अगर महिलाएं युद्धक विमान उड़ाने के काबिल हो गई हैं, तो क्या पुरुष वर्चस्व की मानसिकता नहीं बदलनी चाहिए। सेना की विभिन्न शाखाओं में महिलाओं की संख्या बढ़ाने के साथ उन्हें युद्ध क्षेत्र में क्यों नहीं तैनात किया जाना चाहिए। आज सेना की सभी चिकित्सा सेवाओं का नेतृत्व महिलाएं ही कर रही हैं। इस पर गंभीरता से विचार होना चाहिए कि बाकी सेवाओं में भी अग्रणी भूमिका से उन्हें क्यों वंचित रखा जाए।

सीजफायर के बाद पाकिस्तान विदेशमंत्री के बदले तेवर, कहा-भारत से बातचीत करनी होगी

आज का राशिफल

मेष [illegible]

वृषभ [illegible]

मिथुन [illegible]

कर्क [illegible]

सिंह [illegible]

कन्या [illegible]

तुला [illegible]

वृश्चिक [illegible]

धनु [illegible]

मकर [illegible]

कुंभ [illegible]

मीन [illegible]

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5598

5			6		7			
	4		3		9	8		
3	7							1
4							3	
6	3		1	2	5		9	4
	1							8
8							7	6
		7	2		6		1	
			5		3			9

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र.

2	8	9	4	7	5	1	3	6
5	7	6	1	8	3	4	2	9
3	1	4	2	9	6	8	5	7
7	6	2	5	1	8	3	9	4
4	5	1	9	3	2	6	7	8
9	3	8	6	4	7	2	1	5
6	9	7	8	2	1	5	4	3
8	2	3	7	5	4	9	6	1
1	4	5	3	6	9	7	8	2

वर्ग पहेली 5598

संकेत: बाएं से दाएं
1. 11 अगस्त 1908 को इस महान क्रांतिकारी फांसी दी गई (7)
7. दमन करने वाला (5)
8. [illegible] (2)
9. [illegible] (3)
11. [illegible] (3)
12. जल, आब, नीर, पानी (2)
13. विवाह के समय होने वाली एक रस्म, शशि कपूर-आशा पारेख अभिनीत एक फिल्म (1968)(4)
15. स्वभाव, लत, व्यसन (3)
16. निर्णीत, फैसला किया हुआ, ठहराया हुआ (2)
17. सोने की एक सूक्ष्म इकाई जो आठ रत्ती के बराबर होती है (2)
18. विलक्षण वस्तु या कारनामा, चमत्कार, करामात (3)
20. पंडवानी शैली की प्रसिद्ध लोकगायिका (सिर्फ नाम)(3)
21. करने वाला, रचने वाला, साधक (2)
22. पर्याप्त, आवश्यकता से अधिक, अत्यधिक ज्यादा (3)

ऊपर से नीचे
1. स्वयं, आप (2)
2. एक प्रकार का कीट जो कागज आदि को हानि पहुंचाता है (3)
3. जंघा, जांघ (2)
4. [illegible] (5)
5. बातचीत, वार्तालाप (4)
6. संत तुलसीदास की प्रसिद्ध धार्मिक कृति (8)
10. बल, शक्ति, पौरुष (3)
11. जो भाग्य में लिखा हुआ हो (2)
12. अभियोग, तर्क, दार्शनिक प्रणाली (2)
14. न्यायाधीश, जज, न्याय करने वाला (4)
15. प्रत्याशातीत, कल्पनातीत, [illegible], अकल्पनीय (4)
19. [illegible] (2)

वर्ग पहेली 5597 का हल

शिवना शुद्धिकरण में छात्रों, विभिन्न समाजों, सामाजिक व धार्मिक संगठनों ने किया श्रमदान

मंदसौर, 17 मई गुरु एक्सप्रेस। शिवना शुद्धिकरण अभियान के तहत 16 दिन तक पशुपतिनाथ मंदिर के समीप छोटी पुलिया से कोर्ट रोड़ तक की जलकुंभी साफ करने के बाद अब 17वें दिन अर्थात 17 मई से कोर्ट रोड़ से श्रमदानियों द्वारा जलकुंभी व गंदगी हटाना शुरू किया गया। 17वें दिन भी श्रमदानियों में गजब का उत्साह दिखाई दिया। शनिवार को ब्रह्मा कुमारी आश्रम, धोबी समाज, मिरेकल कॉलेज नयाखेड़ा, शुक्ला टुटोरियल परिवार, खिलचीपुरा महिला संगठन, मदरसा अनवारूल उलूम खानपुरा, मेघवाल समाज विकास परिषद, कांग्रेस सहित नगरवासी व ग्रामीणजन श्रमदान में सहभागिता की। 17 मई 16 ट्राली गंदगी व जलकुंभी शिवना नदी से निकाली गई।

मीडिया प्रभारी राजनारायण लाड़ ने बताया कि जागरूक विधायक श्री विपिन जैन के आव्हान पर शुरू हुए शिवना शुद्धिकरण अभियान अब जन अभियान का रूप ले चुका हैं हर व्यक्ति इससे जुड़कर शिवना के प्रति अपनी जवाबदेही को निभा रहा है। प्रतिदिन श्रमदानियों की संख्या बड़ती जा रही है तथा इसी के परिणाम स्वरूप शिवना मैया भी अपने पुराने स्वरूप में धीरे-धीरे लौट रही है। 17 मई को श्रमदान करने विधायक विपिन जैन, नीमच जिला कांग्रेस अध्यक्ष अनिल चौरसिया, ब्रह्माकुमारी आश्रम मंदसौर से ब्रह्माकुमारी उषा बेन, हेमा बेन, माया बेन, अनिता बेन, भावना बेन, दिनेश जोशी ओम शांति, मनोज भटनागर, सुरेश पाटीदार, समाजसेवी महेश दुबे, मनीष भावसार, घनश्याम भावसार, रमेश सोनी, पूर्व टीआई रामचन्द्र मालवीय, विजय आनन्द, अभिषेक तिवरी, सुधांशु भावसार, गोविन्द माली, सुरेश चौहान, हेमराज खाबिया, मेघवाल समाज विकास परिषद मंदसौर के राधेश्याम गोवरी, सुखलाल चरेड़, शोभाराम सूर्यवंशी, सुरेशचन्द भेसावल, नागुलाल डांगी, रामचन्द्र डांगी, किशोर सूर्यवंशी, घनश्याम परमार, रवि परमार, राधेश्याम सिनम, गोवर्धनलाल सिनम, सत्यनारायण पोखरवाल, घनश्याम कमलवार, समरथ राठौर, प्रकाश मेघवाल, वरदीचंद श्रीमाल, कंवरलाल पाटीदार, ओमप्रकाश सूर्यवंशी, लालूराम सुनार्थी, बगदीराम बसेर, रामलाल बड़गोती, भगतराम बामनिया, वक्तराम राठौर, रामनारायण पंवार, धोबी समाज मंदसौर से मनोहर वागड़िया, रामनारायण हिंगोरिया, जगदीश रेठुदिया, राजू रेठुदिया, तेजकरण गेहलोत, अम्बालाल हिंगोरिया, विष्णु फगवार, पुनमचंद दसलानिया, प्रभुलाल हिंदल, परमानंद टांक, सत्यनारायण खेतरा, रूपनारायण, रोहित सकुनिया, रोनक सकुनिया, मदरसा अनवारूल उलूम खानपुरा से नफीस सिद्दीकी, इदरीस शाह, फरीद अंसारी, अबरार एहमद, समीना अंसारी, नाहिद अख्तर, फरहीन शेख, मीरेकल कॉलेज के नयाखेड़ा शिवम पंवार, पंकज कुमावत, शुक्ला टूटोरियल से अमलावद से कैलाश कुमावत, रमेश धनगर, मनीष मीणा, पटेला गांव से विनोद बामनिया, रामगोपाल बामनिया, निपानिया मेघराज से प्रकाश दोसावत, अशोक शर्मा, प्रकाश लुहार, गुराड़ियादेदा से गोपाल पटेल, पप्पू नगीना, राजू नगीना, रमेश चौहान, अर्जुन मुकाती, रूपेश ढोरिया, देवीलाल पटेल, पिपलियामंडी से अनिल शर्मा, विजेश मालेचा, पप्पू गुर्जर, खिलचीपुरा पंचायत से महिला मण्डल कलाबाई माली, लीलाबाई, कलाबाई प्रजापत, कृष्णा प्रजापत, धापूबाई, नीमच जिला कांग्रेस से अनिल चोरसिया, हिदायतुल्लाह खान, कृपालसिंह मण्डलोई, मनोज अग्रवाल, कांग्रेसजन डॉ. राघवेन्द्रसिंह तोमर, विकास दशोरा, डॉ. प्रीतिपालसिंह राणा, तरुण खीची, राजनारायण लाड, संजय नाहर, रमेश सिंगार, राजेश फरक्या, राहुल तिवारी, विजयसिंह सिसौदिया, सुनील बसेर, कचरमल जटिया, गणपत कुमावत, मिथुन कटारिया, योगेन्द्र गोड, अशोक राव, सादिक गौरी, शिवशंकर सौलंकी, आमिन खान, ओमप्रकाश सूर्यवंशी, सोहन धाकड धमनार, गोपाल बंजारा, गगन माली, शैलेष माली, आदर्श जोशी, अक्रम खान, अभिषेक जैन, राकेश जैन पिंटू, भवानीशंकर, गौरव गेहलोद, महिला नेत्री में रफत पयामी, इष्टा भाचावत, सोनाली जैन, प्रमिला पंवार, गीताली पोरवाल, मीताली पोरवाल, सोहनबाई गिदवानी सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक पहुंचे।

अनदेखी- मंदसौर तहसील की आबादी के हिसाब से जिला मुख्यालय पर तैनात दो फायर फाइटर कम पड़ती है। शहर की छोटी गलियों में आगजनी से निपटने के लिए पूर्व में एक छोटी फायर फाइटर भी थी। जो अब खराब पड़ी है। उसकी जगह जुगाड़ करके कचरा वाहन में पानी की टंकी रखकर काम चलाया जा रहा है।

कत्तई एवं बुनाई प्रशिक्षण हेतु आवेदन 20 तक जमा कराए

मंदसौर, 17 मई गुरु एक्सप्रेस। ग्रामोद्योग प्रबंधक म.प्र. द्वारा बताया गया कि खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा संचालित कम्बल केन्द्र, मन्दसौर से रोजगार उपलब्ध कराने हेतु महिलाओं को कत्ताई एवं बुनाई का प्रशिक्षण दिया जाना है। मन्दसौर बोर्ड के उत्पादन केन्द्रों पर उत्पादन कार्य कराये जाने हेतु 200 कत्तिनों (स्पीनर) एवं 20 बुनकरों (विवर) को प्रशिक्षण दिया जाना हैं प्रशिक्षण उपरांत केन्द्र से ही सूती / ऊनी कताई एवं बुनाई का रोजगार उपलब्ध कराया जावेगा। इच्छुक महिलाएँ 20 मई 2025 तक (आधार कार्ड, बैंक खाता, एक राशन कार्ड आदि की फोटोप्रति एवं मोबाईल नं., व एक पासपोर्ट साईज का फोटो सहित आवेदन बोर्ड के उत्पादन केन्द्र पर जमा करावें। प्रशिक्षण माह जून में प्रारम्भ कराया जा सके।

जिला प्रशासन द्वारा रामपुरा में शासकीय जमीन को किया संरक्षित

तीन करोड़ मूल्य की 15 हजार वर्गफीट जमीन अतिक्रमण मुक्त

नीमच, 17 मई गुरु एक्सप्रेस। जिला प्रशासन द्वारा कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के मार्गदर्शन एवं एसडीएम श्री पवन बारिया के नेतृत्व में राजस्व विभाग की टीम ने रामपुरा में तीन करोड़ रूपये बाजार मूल्य की करीब 15 हजार से अधिक वर्ग फीट शासकीय जमीन को अतिक्रमण मुक्त करवाकर, शासन का बोर्ड लगाया गया है। तहसीलदार रामपुरा श्री राजेश सोनी ने बताया, कि रामपुरा नगर के बीचो बीच रामपुरा नीमच मुख्यालय मार्ग पर सर्वे नम्बर 350 की जमीन पर कई सालों से रामपुरा निवासी प्रकाश घोटा द्वारा अतिक्रमण कर रखा था, जिसे राजस्व विभाग की टीम ने पुलिस बल के सहयोग से शनिवार को अतिक्रमण मुक्त करवा दिया है। इस अतिक्रमण मुक्त करवाई गई भूमि पर शासन का बोर्ड लगाकर भूमि को संरक्षित किया गया है। अतिक्रमण मुक्त कराई गई भूमि का बाजार मूल्य लगभग तीन करोड़ बताया जा रहा है।

दो दिवसीय कालिदास प्रसंग का आयोजन 26 जून से, समितियां गठित

मंदसौर, 17 मई गुरु एक्सप्रेस। कालिदास संस्कत अकादमी उज्जैन द्वारा आगामी 26 ओर 27 जून को नगर में आयोजित होने वाले कालिदास प्रसंग के आयोजन हेतु वर्गीकृत समितियों का गठन किया गया है।

अकादमी के निदेशक डॉ. गोविन्द गंधे ने बताया कि कार्यक्रम प्रभारी अनिल कुमार बारोड़ ,स्थानीय संयोजक ब्रजेश जोशी, संरक्षक डॉ.घनश्याम बटवाल, मार्गदर्शक मंडल में नरेंद्र सिंह सिपानी, गिरिराज दास सक्सेना, गुरुचरण बग्गा, रघुवीर सिंह चुंडावत,डॉ. कैलाश चंद्र पांडेय, रमेश चंद्र चंद्रे, रवि प्रताप सिंह बुंदेला, डॉ रविंद्र कुमार सोहोनी, डॉ. जे एस दूबे,बंसीलाल टॉक, सुरेंद्र जैन, डॉ. ज्ञानचंद खिमेसरा विक्रम विद्यार्थी, जगदीश चौधरी डॉ. दिलीप सिंह राठौर, अभय मेहता,सुदीप दास, राव विजय सिंह,नंदू भाई आडवाणी राजाराम तंवर,अजीजुल्लाह खान खालिद परामर्शदाता डॉ उषा अग्रवाल डॉ उर्मिला तोमर,डॉ निशा महाराणा, डॉ अलका अग्रवाल, चंदा डांगी, आरती तिवारी,सुषमा आर्य , नम्रता चावला, भारती पाटीदार, सुनीता भावसार, निर्मला गुप्ता निवेदिता नाहर, यशीता दवे संध्या शर्मा, विद्या उपाध्यक्ष, बिंदु चंद्रे, नीता चौबे अर्चना दवे,ललिता मेहता उद्घाटन समापन विधि समिति में वेद मिश्रा,पं.अरुण शर्मा, डॉ. रवींद्र पांडेय,लाल बहादुर श्रीवास्तव, गायत्री प्रसाद शर्मा,नंदकिशोर राठौर, नरेंद्र भावसार, प्रदीप शर्मा, सुनील व्यास, आशीष अग्रवाल,अजय डांगी,विकास भंडारी सीए,राजेंद्र छाजेड़ प्रदर्शनी आयोजन समिति में डॉ. क्षितिज पुरोहित, लोकेश पालीवाल, जयेश नागर, अजय कुमार सिखवाल एड. यशोधमन गुप्ता एड. दिलीप भाटी सांस्कृतिक कार्यक्रम समिति में नरेंद्र कुमार त्रिवेदी,कन्हैया देशमुख, निशांत शर्मा, महेश कुमार त्रिवेदी,हरीश दवे, मनी शामगढ वाला अजय तिवारी, शोध संगोष्ठी समिति में डॉ. देवेंद्र पुराणिक डॉ. दिनेश तिवारी डॉ. के आर सूर्यवंशी,पं.दिलीप दुबे, प्रो. अनिल कुमार आर्य सत्येंद्र सिंह सोम,प्रकाश कल्याणी हरिशंकर शर्मा प्रचार प्रसार समिति में नरेंद्र अग्रवाल, प्रकाश सिसोदिया, दिलीप सेठिया, नवनीत शर्मा,शंभू सेन राठौर, रुपेश सोलंकी,अनिल लालवानी समाज प्रमुख संपर्क एवं निमंत्रण समित में विनोद मेहता, प्रदीप भाटी, दाऊ भाई विजयवर्गीय, हिम्मत डांगी ,जयेश नागर,राजेश गुर्जर, सुभाष गुप्ता, प्रद्युमन शर्मा, राजेंद्र चाष्टा,एमपीसिंह परिहार, ब्रजेश मारोठिया, महेश शर्मा पप्पू ,राजीव शर्मा मनोनीत किए गए। यह जानकारी स्थानीय संयोजक ब्रजेश जोशी ने दी। उन्होंने बताया कि विगत 8 मई को नगर के प्रबुद्ध जनों की बैठक में दिए गए सुझावों के आधार पर इन समितियों का गठन किया गया है।

आपदा प्रबंधन वालिंटियर्स का प्रशिक्षण संपन्न

नीमच, 17 मई गुरु एक्सप्रेस। जिला प्रशासन द्वारा टाउनहॉल नीमच में आपदा प्रबंधन वॉलिंटियर्स की प्रशिक्षण सह कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला में एडीएम श्रीमती लक्ष्मी गामड़, एसडीएम संजीव साहू, नीमच जनपद सीईओ सुश्री मयूरी जोक, तहसीलदार संजय मालवीय, मुख्य नगरपालिका अधिकारी जमनालाल पाटीदार भी उपस्थित थे। आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण में डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट श्री युवराज सिंह चौहान प्लाटून कमांडेंट पुष्पा पवार, एसडीईआरएफ एवं होमगार्ड की टीम ने जीरन एवं नीमच के 150 सिविल डिफेंस वॉलिंटियर्स को उपकरण के माध्यम से आपदा प्रबंधन संबंधी प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण में शहर में लगाए गए सायरन, संचार सेवा, अग्निशमन सेवा, प्रशिक्षण सेवा, बचाव सेवा, स्वास्थ्य सेवा, यातायात परिवहन सेवा, निपटारा सेवा, बाढ़ से बचाव आदि के बारे में जानकारी दी गई तथा मॉकड्रिल के माध्यम से रिहर्सल किया गया। छोटी-छोटी बातों में ध्यान में रखकर आपदा से निपटा जा सकता है। किसी भी एरिया मे भूकंप बाढ़ या अन्य आपदा की स्थिति में वहां के नागरिकों को सुरक्षित स्थान पर ले जाएं और सभी वॉलिंटियर्स नागरिकों को जागरूक करें। प्रशासन और वॉलिंटियर्स को आपसी समन्वय एवं पूरी सतर्कता के साथ कार्य करना है, जिससे कि आपदा से निपटा जा सके।

इंजीनियरिंग के छात्रों को समर इंटर्नशिप का अवसर-सीईओ

मंदसौर, 17 मई गुरु एक्सप्रेस। सीईओ जिला पंचायत श्री अनुकूल जैन द्वारा जानकारी दी गई कि प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण संचानालय भोपाल द्वारा प्लानिंग आर्कट्रिक्टचर सिविल इंजीनियरिंग में पढाई कर रहे छात्र-छात्राओं के लिए 1 जून से 31 जुलाई समर वोकेशनल ट्रेनिंग इंटर्नशिप का अवसर उपलब्ध कराया जा रहा है। योजना में चयनित छात्रों को इंटर्नशिप के लिए संबंधित जिलों की जनपद पंचायतों में कार्य के लिए रखा जाएगा और इन्हें 20 हजार रुपए स्टायफंड भी देने का प्रावधान है। समर इंटर्नशिप-2025 के लिए बी-प्लानिंग, बीआर के आर्कीट्रेक्टचर एम प्लानिंग, एम आरके आर्कीट्रेक्टचर और बी सिविल के छात्र-छात्राएं आवेदन कर सकेंगे। ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया 10 मई से प्रारंभ हो चुकी है और अंतिम तिथि 20 मई निर्धारित की गई है। ऑफर के लिए सूचना 26 मई तक दी जाएगी और 2 जून को भोपाल में ओरिंटेशन होगा। जिला और ब्लाक मुख्यालय पर रिपोटिंग की तिथि 3 जून रखी गई है। जिला पंचायत सीईओ ने संबंधित छात्रों से इंटर्नशिप के लिए आवेदन कर लाभ उठाने के लिए कहा गया है।

एक्यूप्रेशर एवं आयुर्वेद चिकित्सा जांच शिविर आज

मंदसौर, 17 मई गुरु एक्सप्रेस। 18 मई, रविवार को एक्यूप्रेशर एवं आयुर्वेदिक चिकित्सा जांच शिविर मधुसूदन आर्य कार्यालय यूटीआई पैन सर्विस सेंटर 46 गौतम नगर रोड नंबर 1 कालाखेत मंदसौर पर आयोजित होगा। इस शिविर में वैद्य ओमप्रकाश देवासी व थैरेपिस्ट अर्जुन कटारिया अपनी सेवाएं देंगे। 18 मई को यह शिविर सुबह 10 से सायं 5 बजे तक आयोजित होगा।

उक्त जानकारी देते हुए मधुसूदन आर्य ने बताया कि इस शिविर में क्वांटम बॉडी एनालाइजर जापानी मशीन से पूरे शरीर की जांच करके इन सभी बीमारियों का जैसे दमा बीपी शुगर थायराइड माइग्रेन, बालों का झड़ना, चर्म रोग चेहरे पर कील मुंहासे, मासिक धर्म की अनियमितता बांझपन आदि सभी बीमारियों का इलाज किया जाएगा।

प्रदेशवासी लें जल जमाव रोकने का संकल्प-मुख्यमंत्री

मंदसौर, 17 मई गुरु एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 'राष्ट्रीय डेंगू दिवस' के अवसर पर कहा है कि स्वस्थ मध्यप्रदेश के संकल्प को साकार करने के लिए स्वच्छता, जागरूकता और समय पर उपचार ही हमारा सबसे कारगर हथियार है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शुक्रवार को सोशल मीडिया 'एक्स' पर प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि वे डेंगू का मुकाबला करने के लिए स्वच्छता को अपनाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सभी नागरिक एकजुट होकर यह प्रण लें कि अपने आस-पास कहीं पर भी जल जमाव नहीं होने देंगे। साथ ही मच्छरों से बचाव और डेंगू के लक्षण व इलाज के प्रति समाज को जागरूक करेंगे, क्योंकि बचाव ही डेंगू का उपचार है।

आज का समाचार कल का इतिहास होता है, यह जिम्मेदारी है मीडिया की-दुबे

जनपरिषद मंदसौर चैप्टर द्वारा साहित्य संवाद कार्यक्रम सम्पन्न

मंदसौर, 17 मई गुरु एक्सप्रेस। साहित्य समाज का दर्पण है यह सत्य है पर यह अन्यान्य कारणों से प्रभावित होरहा है , आज प्रकाशित और प्रसारित साहित्य हो या समाचार कल इतिहास बनता है इसमें जिम्मेदारी लेखक , पत्रकार और साहित्यकार की है कि तथ्यों को शामिल करते हुए दायित्व निभाएं । यह विचार व्यक्त किये वरिष्ठ स्तंभकार लेखक और पूर्व संयुक्त संचालक जनसंपर्क मध्यप्रदेश श्री राजा दुबे ने । श्री दुबे ने कहा कि आज भी समाज का भरोसा मीडिया पर है इसे बचाये रखना होगा । आप शनिवार को हेमू कालानी चौराहा स्थित पांडेय सभागृह में जनपरिषद मंदसौर चैप्टर द्वारा आयोजित साहित्य संवाद को संबोधित कर रहे थे । विशिष्ट अतिथि रतलाम के साहित्यकार एवं संपादक श्री सुरेंद्र छाजेड़ ने कहा कि वर्तमान में प्रिंट मीडिया और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की पहुंच घर घर तक है इसकी चुनौती सोशल मीडिया से भी है फिर भी विश्वास परंपरागत मीडिया पर ही किया जारहा है ,ऐसे में दायित्व बढ़ जाता है कि साहित्य और संस्कृति को पर्याप्त स्थान मिलना चाहिए तभी हम भविष्य के पाठकों और दर्शकों को अवगत करा पाएंगे।

श्री छाजेड़ ने कहा कि रतलाम , मंदसौर , नीमच साहित्य कला संस्कृति इतिहास और पुरातत्व के केंद्र रहे हैं इन विरासतों को वर्तमान और भावी पीढ़ी को अच्छे परिदृश्यों के साथ हस्तांतरित करना होगा यह हमारा ओर मीडिया के साथ साहित्यकारों का दायित्व है। साहित्य संवाद की अध्यक्षता दशपुर प्राच्य शोध संस्थान निदेशक एवं प्रख्यात इतिहाकार श्री कैलाशचंद्र पांडेय ने करते हुए साहित्य इतिहास संस्कृति और पुरातत्व महत्व रेखांकित करते हुए विचार रखे। आरंभ में स्वागत जन परिषद सचिव नरेंद्र त्रिवेदी , डॉ घनश्याम बटवाल अजय डांगी नरेंद्र भावसार चंदा डांगी आदि ने किया। साहित्य संवाद में नंदकिशोर राठौर , मनीषमनी शामगढ़वाला , डॉ दिनेश तिवारी , सी ऐ सिद्धार्थ अग्रवाल , जितेंद्र पांडेय , नरेंद्र त्रिवेदी , डॉ प्रीतिपाल सिंह राणा , अजिजुल्लाह खालिद , रवींद्र पांडे आदि ने रचना पाठ करते हुए अपने विचार साझा किये । जन परिषद द्वारा अतिथियों का सम्मान उपरणा और शॉल ओढाकर किया गया । पुरातत्व विद्वान श्री कैलाश चंद्र पांडेय द्वारा संपादित रतलाम इतिहास और दिव्य दशपुर इतिहास संग्रह की प्रति अतिथियों को भेंट की गई। साहित्य संवाद संचालन डॉ घनश्याम बटवाल ने किया आभार शिक्षाविद।

अवैध उत्खनन, अतिक्रमण कर सीमा चिन्ह हटाने पर वन अपराध पंजीबद्ध

वन विभाग द्वारा तीन आरोपियों के विरूद्ध प्रकरण दर्ज

नीमच, 17 मई गुरु एक्सप्रेस। वन परिक्षेत्राधिकारी वनपरिक्षेत्र रतनगढ़ श्री पी.एल.गेहलोत ने बताया, कि डी.एफ.ओ. नीमच श्री एस.के. अटोदे एवं उप वनमण्डलाधिकारी श्री दशरथ अखण्ड के मार्गदर्शन में 10 मई को मुखबीर की सूचना पर वनखंड गुंजालिया की बीट गुंजालिया के कक्ष क्रमांक पी-243 में अवैध रूप से उत्खनन कर अतिक्रमण का प्रयास किया जा रहा था। मौका स्थल पर वन्य जीवों के प्राकृतिक आवास को नष्ट करने, पर्यावरण को भारी क्षति पहुंचाने एवं सीमा चिन्ह मिटाने पर वन विभाग द्वारा तीन आरोपियों के विरूद्ध प्रकरण दर्ज कर लिया गया है।

रेंजर श्री गेहलोत ने बताया, कि वनखण्ड गुजालिया के कक्ष क्रमांक पी 243 में अवैध रूप से वाहन जे.सी.बी. चेचिस नंबर RAJ3DXS5 AQ3246933, ट्रेक्टर पंजीयन क्रमांक MP14AB2819 एवं नया ट्रेक्टर स्वराज 735 चेचिस नंबर C10017511H को वनपरिक्षेत्राधिकारी श्री प्रतापलाल गेहलोत, परिक्षेत्र, सहायक ताल श्री बापूलाल दायणा वनपाल, परिक्षेत्र सहायक डीकेन श्री अयज तौमर, परिक्षेत्र सहायक श्री उमर तरूण बोरीवाल, श्री जयन्त अहीर वनरक्षक, श्री निरंजन पाराशर वनरक्षक, श्री नितेश रावत वनरक्षक, श्री कालुसिंह निनामा वनरक्षक द्वारा जप्त कर आरोपी संदीप पिता घनश्याम सेन निवासी परलई, मुकेश पिता वर्दीचन्द धाकड नि. नीमकाखेडा, तह. सिंगोली, गोविन्द पिता कालुराम धाकड निवासी नीमकाखेडा, को गिरफ्तार कर भारतीय वन अधिनियम 1927 की धारा 33 बी सी एवं धारा 63 के तहत अवैध उत्खन करने, अवैध अतिक्रमण का प्रयास करने एवं सीमा चिन्ह मिटाने पर वन अपराध प्रकरण क्रमांक 3494/10 दिनांक 16 मई 2025 पंजीबद्ध कर नियमानुसार कार्यवाही की गई है।

ग्वाला समाज का सामूहिक गंगा पूजन आज

चल समारोह निकलेगा, समाज के प्रमुखजनों का होगा सम्मान

मंदसौर, 17 मई गुरु एक्सप्रेस। श्रीकृष्ण ग्वाला गवली समाज मंदसौर द्वारा आज 18 मई को सामूहिक गंगा पूजन का आयोजन किया जाएगा। दो दिवसीय गंगा पूजन का कार्यक्रम शनिवार की शाम से प्रारंभ हुआ हैं। इस दिव्य आयोजन में समाज के करीब 13 दिवगंतजनों का सामूहिक गंगा पूजन आज किया जाएगा। यह द्वितीय अवसर हैं जब मंदसौर में ग्वाला समाज द्वारा सामूहिक गंगा पूजन का भव्य आयोजन किया जा रहा हैं।

समाज के पटेल श्री प्यारेलाल बानिया, दिवान श्री तुलसीराम कछवाये एवं श्री कल्लुराम थम्मार ने बताया की आज 18 मई को आयोजित होने वाले सामूहिक गंगा पूजन के आयोजन को लेकर कई दिनों से तैयारियां चल रही थी। शनिवार शाम को सभी छावनियों से मेहमानों का आगमन हुआ। आज सुबह 9 बजे श्री देवनारायण मंदिर धनगर मोहल्ला पतवारी से कलश यात्रा निकलेगी। यह कलश यात्रा बालागंज, दत्त मंदिर रोड, महू-नीमच राजमार्ग से होते हुए आयोजन स्थल संजय गांधी उद्यान पहुंचेगी। संजय गांधी उद्यान में सुबह 11 बजे पिण्डदान होगा। दोपहर 12.30 बजे सामूहिक गंगा पूजन किया जाएगा। समाज के प्रमुखजनों का सम्मान किया जाएगा।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	23	2072	2181
उडद	15	4900	6181
सोयाबीन	4215	4100	4383
गैहु	7000	2300	2821
चना	236	5001	5641
मसुर	52	6001	6409
धनिया	131	5700	7050
लहसुन	16500	3220	9501
मैथी	611	3600	5000
मुंगफली	481	3600	5351
अलसी	1636	6650	7250
सरसो	305	5550	6220
तारामीरा	2	5275	5275
इसबगोल	98	7500	11600
प्याज	1781	220	869
कलोंजी	24	15001	19670
तुलसी बीज	1	12552	12552
डॉलर	39	5900	9080
तिल्ली	0000	0000	0000
जौ	45	2231	2330
मटरसुखी	0000	0000	0000
असालीया	50	6000	6800
चियाबीज	108	11200	14950

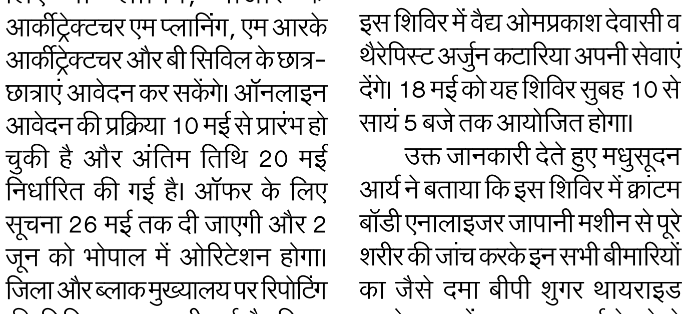

ग्वालटोली तालाब में गहरीकरण एवं स्वच्छता के लिए किया श्रमदान

नीमच, 17 मई गुरु एक्सप्रेस। नगरपालिका नीमच द्वारा जिला प्रशासन द्वारा कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे जनसहयोग से जल संवर्धन अभियान के तहत शनिवार को जिला मुख्यालय नीमच पर स्थित ग्वालटोली तालाब का गहरीकरण कार्य प्रारंभ किया गया और इस मौके पर तालाब परिसर की साफ-सफाई के लिए श्रमदान भी किया गया। नीमच नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती स्वाति चौपड़ा, नगरपालिका जलकल समिति सभापति श्रीमती छाया वीरेंद्र जायसवाल, एसडीएम श्री संजीव साहू, डिप्टी कलेक्टर श्री चंद्र सिंह धार्वे, पार्षद श्री हरगोविंद दीवान, पार्षद प्रतिनिधि श्री मुकेश पोरवाल, पर्यावरण मित्र संकल्प संस्था के श्री जगदीश कारपेंटर, श्री नवीन कुमार अग्रवाल, नगरपालिका के सीएमओ श्री जमुनालाल पाटीदार सहित नगरपालिका के कर्मचारी, नागरिकों जनप्रतिनिधियों, इंदिरा नगर एवं ग्वालटोली के रहवासियों आदि ने ग्वालटोली तालाब परिसर की साफ सफाई के लिए श्रमदान किया और कचरा एकत्रित कर ट्रैक्टर ट्राली के माध्यम से ट्रेंचिंग ग्राउंड पहुंचाया। इस मौके पर नगरपालिका नीमच द्वारा ग्वालटोली तालाब के सौंदर्यीकरण एवं गहरीकरण का कार्य भी प्रारंभ किया गया।

विश्व रक्तचाप दिवस पर स्वास्थ्य शिविर संपन्न

नीमच, 17 मई गुरु एक्सप्रेस। विश्व रक्तचाप दिवस पर जिला चिकित्सालय में शिविर का आयोजन किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.दिनेश प्रसाद ने बताया, कि प्रत्येक वर्ष 17 मई के अवसर पर विश्व रक्तचाप दिवस का आयोजन किया जाता है। इसी कढी में जिला चिकित्सालय में भी मरीजो का नि:शुल्क रक्तचाप, मधुमेह जॉच शिविर का आयोजन किया गया। इस में 92 मरीजों की नि:शुल्क जाचें की गई। इन मरीजों में से 8 नए मरीज का रक्तचाप स्तर सामान्य से अधिक पाया गया। साथ ही पूर्व से चल रहे मरीजों का भी फालोअप कर सलाह दी गई।

इस अवसर पर डॉ.विनय वर्मा सहायक प्राध्यापक एवं फिजिशियन द्वारा उपस्थित मरीजों एवं उनके परिजनों को रक्तचाप के सम्बन्ध में विस्तार से समझाईश दी गई। डॉ.वर्मा ने बताया कि वर्तमान में अनियमित दिनचर्या के फलस्वरूप रक्तचाप एवं मधुमेह की बिमारी अन्यन्त सामान्य हो गई है। अत: प्रत्येक व्यक्ति को वर्ष में कम से कम दो बार उक्त जाचें जिला चिकित्सालय में नि:शुल्क करवाना चाहिये, जिससे अगामी जीवन में आनेवाले खतरों की पूर्व पहचान की जा सके। डॉ.वर्मा ने बताया,कि संतुलित आहार, नियमित व्यायाम, धुम्रपान, शराब से बचाव एवं सामान्य जागरूकता से इस बिमारी पर नियंत्रण पाया जा सकता है। रक्तचाप जिस भी व्यक्ति को होता है, उसे नियतिम रूप से दवाईयों का सेवन करना चाहियें, दवाईयों खाना छोड देने पर आगे यह बिमारी अत्यन्त गंभीर होकर हृदय, गुर्दा एवं मष्तिष्क, आखें की बिमारी को जन्म देती है। खानपान में नमक के सेवन एवं नमकीन व्यंजन जैसी चीजे इस बिमारी को बढ़ाने में सहायक होती है। अत: नियमित भोजन में नमक एवं नमकीन व्यंजनों का प्रयोग कम से कम करना चाहिये। इस अवसर पर नोडल अधिकारी डॉ.मनीष यादव विश्वए स्वास्थ्य संगठन प्रतिनिधी राकेश जलवानिया एवं एन.सी.डी. कार्यक्रम के मनीष व्यास ने अपनी सेवाएं प्रदाय की। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.प्रसाद ने बताया, कि रक्तचाप शुगर की जाचें एवं जागरूकता के आयोजन हेतु आयुष्मान आरोग्य मंदिर पर भी शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें जाचें एवं उपचार की सेवाए प्रदाय की गई।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर निकली भव्य तिरंगा यात्रा

❋ भारतीय सेना के शौर्य, पराक्रम और अदम्य साहस पर संपूर्ण देश को गर्व है ❋ देश की सीमाओं की रक्षा के लिए हर भारतीय अपना सर्वस्व बलिदान कर सकते हैं ❋ प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व व रणनीति ने दुश्मन को घुटने टेकने पर मजबूर किया

मंदसौर, 17 मई गुरु एक्सप्रेस। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर जिला मुख्यालय मंदसौर पर राष्ट्रीय नागरिक सुरक्षा मंच के आह्वान पर भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। आयोजित तिरंगा यात्रा में मंदसौर शहर के सभी धर्मों के धर्म प्रमुख , सैनिक परिवार के सदस्यगण,व्यापारी गण, मीडिया बंधु , युवा गण मातृशक्ति ,खिलाड़ी , समाजसेविक संस्थाओं के सदस्य गण सहित हजारों की संख्या में शहर वासियों ने सहभागिता की।

रैली के प्रारंभ में महाराणा प्रताप बस स्टैंड स्थित मंच पर सभी धर्म के धर्म प्रमुखों का सम्मान राष्ट्रीय सुरक्षा नागरिक मंच के कार्यकर्ताओं द्वारा किया गया। फौज में देश की रक्षा कर रहे सैनिकों की धर्मपत्नियों को सिंदूर भेंट किया गया तत्पश्चात महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर तिरंगा कलर के गुब्बारे को आसमान में छोड़ रैली प्रारंभ हुई। जैसा कि हम सभी को ज्ञात है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत की सेना ने पाकिस्तान में दाखिल होकर दुश्मनों को नेस्तानाबूत किया। भारतीय सेना के शौय, पराक्रम और अदम्य साहस पर संपूण देश को गर्व है। अपने देश की सीमाओं की रक्षा के लिए हर भारतीय अपना सर्वस्व बलिदान कर सकते हैं। ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से दुनिया के सामने हमारी सेनाओं ने साहस और शौर्य के प्रमाण दिए हैं। पभारतवासियों ने एकजुट होकर विश्व को यह संदेश दिया कि दुश्मन कितना ही चालाक क्यों न हो हम अपनी एकता को अक्षुण रखेंगे। राष्ट्रीय एकता सर्वोपरि है, इसे यदि शत्रु हानि पहुंचाने की कोशिश करेगा तो उसे मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। दो हजार वर्ष पहले सम्राट विक्रमादित्य ने अपने पराक्रम से विदेशी आक्रमणकारियों को पराजित कर देश से खदेड़ दिया था। आज फिर से हमारी सेना ने वही शौर्य और पराक्रम दिखाते हुए दुश्मन देश को धूल चटाने का कार्य किया है।राष्ट्रीय नागरिक सुरक्षा मंच अनुसार राष्ट्र की वेदी पर अपने प्राण न्योछावर करने वाले शहीदों के परिवार जनों को प्रणाम। तिरंगा हमारे देश कि आन-बान और शान है, इसकी मर्यादा का सदैव पूरा भारत ध्यान रखता है।तिरंगा यात्राओं के माध्यम से पूरी दुनिया में संदेश जा रहा है कि हम सभी भारतीय एक जुट हो कर समय आने पर देश कि रक्षा के लिए सर्वस्व बलिदान कर सकते हैं। तिरंगा यात्रा देश की सेनाओं की सफलता, सम्मान और उनके पराक्रम को सम्मान देने के लिए देश की जनता निकाल रही है।

1857 से लेकर 1947 तक देश ने आजादी के लिए संघर्ष किया। हजारों की संख्या में वीर सपूत बलिदान हुए। 1857 के पहले भी देश कई युद्ध लड़े और अपने शौर्य और पराक्रम से जीते हैं। लेकिन सैकड़ों सालों के इतिहास में ऑपरेशन सिंदूर में सबसे कम समय में भारत ने दुश्मन को हराकर घुटने टेकने पर मजबूत किया है। यह प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में हमारी सेनाओं के शौर्य, पराक्रम का प्रतीक है। पूरा देश सेना के साथ पूरी एकजुटता के साथ खड़ा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की रणनीति ही है कि चार दिन में ही आतंकवाद और उसके आकाओं को भारत ने सबक सिखा दिया। ऑपरेशन सिंदूर के जरिए दुनिया ने हमारी सेनाओं का पराक्रम देखा है। इस तरह का पराक्रम वाली सेना के रहते हुए कोई भी देश भारत की ओर आंख उठाकर नहीं देख सकता। तिरंगा यात्रा देश की एकता व संकल्प शक्ति का प्रतीक है। देश की एकजुटता हमारे गौरवशाली अतीत की याद दिलाती है। ऑपरेशन सिंदूर को लेकर अमेरिका के राष्ट्रपति ने चार दिन पहले कही हुई अपनी बात में सुधार किया है। भव्य तिरंगा रैली महाराणा प्रताप बस स्टैंड से प्रारंभ होकर बीपीएल चौराहा गांधी चौराहा बस स्टैंड होते हुए वंदे मातरम चौराहा पर पहुंची जहां पर भारत माता की भव्य प्रतिमा के सामने रैली में उपस्थित सर्व समाज के धर्म प्रमुखों, राजनीतिक दल केपदाधिकारीयो , व्यापारी गण, मीडिया परिवार के सदस्यों, युवा शक्ति ,मातृशक्ति आदि ने भारत माता की आरती की।

तिरंगा यात्रा में सम्मिलित हुआ युवा प्रेस क्लब

मंदसौर, 17 मई गुरु एक्सप्रेस। राष्ट्रीय सुरक्षा नागरिक मंच के तत्वावधान में 17 मई शनिवार को सायं 5 बजे नगर के महाराणा प्रताप बस स्टेण्ड से एक विशाल तिरंगा यात्रा ऑपरेशन सिंदूर की सफलता और देश की सेना के सम्मान में निकाली गई। उक्त तिरंगा यात्रा में युवा प्रेस क्लब ने भी सहभागिता की और ऑपरेशन सिंदूर की सराहना करते हुए देश की सेना के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। इस अवसर पर युवा प्रेस क्लब के संरक्षक प्रकाश सिसौदिया, वरिष्ठपत्रकार नरेन्द्र धनोतिया, युवा प्रेस क्लब के अध्यक्ष चरण राजपाल, संयुक्त सचिप विजयेन्द्र फांफरिया, वरिष्ठपत्रकार संजय भाटी, निलेश भारद्वाज, सचिन जैन, प्रदीप कारपेन्टर, सलमान कुरैशी, गोलू चौहान, रोहित सोलंकी आदि उपस्थित थे।

नीमच में निकली वृहद तिरंगा यात्रा

उत्साहपूर्वक तिरंगा यात्रा में शामिल हुए जिले के नागरिक, देश भक्ति के नारों से गूंजा शहर

नीमच, 17 मई गुरु एक्सप्रेस। भारतीय सैनिकों के पराक्रम को नमन करने के लिए नीमच में शनिवार को विशाल तिरंगा यात्रा निकाली गई। इस तिरंगा यात्रा में बड़ी संख्या में समाज के सभी वर्गो के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और भारतीय सैनिकोंके पराक्रम की सराहना करते हुए उनके प्रति अपना विश्वास जताया।

विशाल तिरंगा यात्रा ज्ञान मंदिर कॉलेज शहीद स्मारक से प्रारंभ हुई। जो घंटाघर, नयाबाजार, कमल चौक, टैगोर मार्ग होते हुए भारत माता मंदिर चौराहे पर भारत माता की आरती के साथ समापन हुई। तिरंगा यात्रा में शामिल लोग तिरंगा हाथ में लिए हुए उत्साहपूर्वक पूरे जोश के साथ भारत माता की जय, वंदे मातरम का जयघोष करते हुए देशभक्ति के नारे लगा रहे थे, तिरंगा यात्रा के दौरान सम्पूर्ण शहर देशभक्ति के नारो और गीतों से गूंज उठा। इस तिरंगा यात्रा में सांसद श्री सुधीर गुप्ता, राज्यरसभा सांसद श्री बंशीलाल गुर्जर, विधायक जावद श्री ओमप्रकाश सखलेचा, नीमच विधायक दिलीप सिह परिहार, मनासा विधायक अनिरुद्ध मारू, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री सज्जन सिह चौहान, श्रीमती वंदना खण्डेलवाल, हेमंत हरित, महेन्द्र भटनागर, पवन पाटीदार सहित अन्य जनप्रतिनिधियों, पार्षदगणों, गणमान्ये नागरिकों, स्वयंसेवी संस्थाओं के पदाधिकारियों और समाज के सभी वर्गो केप्रबुद्धजनों और जिले केआम नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

देवड़ा एवं शाह का पुतला शहर एवं ग्रामीण ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने दहन किया

मंदसौर, 17 मई गुरु एक्सप्रेस। शहर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मन्दसौर अध्यक्ष डॉ राघवेंद्रसिंह तोमर एवं ग्रामीण ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मन्दसौर अध्यक्ष विकास दशोरा ने बताया कि मोहन यादव सरकार के केबिनेट मंत्री विजय शाह सेना की बहादुर कर्नल को आतंकवादियों की बहन करार देते हैं, वहीं उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा सेना को मोदी के चरणों में नतमस्तक बताते हैं, और मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री से मीडिया सवाल करे तो झल्ला कर जवाब देते हैं। दोनों ही मंत्रियों के खिलाफ कार्रवाई करने की बजाय बीजेपी उन्हें संरक्षण दे रही है, इससे यह प्रतीत होता है कि बीजेपी के शीर्ष नेतृत्व ने सेना के अपमान का प्रायोजित कार्यक्रम चला रखा है।

इसे लेकर मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष श्री जीतू पटवारी के आह्वान मन्दसौर में शहर एवं ग्रामीण ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मन्दसौर द्वारा जिला कांग्रेस अध्यक्ष एवं विधायक श्री विपिन जैन के मार्गदर्शन में गांधी चौराहा पर उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा एवं केबिनेट मंत्री विजय शाह का पुतला जलाया। इस अवसर पर शहर कांग्रेस अध्यक्ष डॉ राघवेंद्रसिंह तोमर ने कहा कि देश में तानाशाही का माहौल हो गया है। भाजपा नेता एवं इनकी सरकार के मंत्री बेजुबान हो गए है। देश की सेना का अपमान कर रहे है। ऐसे लोगों को उनके पदों पर रहने को कोई अधिकार नहीं है। ग्रामीण ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष विकास दशोरा ने कहा कि भाजपा और इनके नेता देश में अराजकता फैला रहे है। अपनी गलतियों को छुपाने के लिए अनर्गल दुष्प्रचार कर रहे है। इस अवसर पर कांग्रेस नेता महेंद्रसिंह गुर्जर,मोहम्मद हनीफ शेख, इष्ट भाचावत, मंजीतसिंह टुटेजा, रफत पयामी, सुनील बसेर,तरुण खिंची, अनीता भदौरिया,कुमकुम सिसोदिया, योगिता बैरागी,दीपक सिंह चौहान, रमेश बृजवानी,नितेश सतीदासानी, आमीन खान,सी एम गुप्ता, महेश गुप्ता,अजय सोनी, राकेश सेन, आदर्श जोशी, संभूलाल चौहान,विजय सिसोदिया, युनूस मेव, रमेश सिंगार, अकरम खान, वहीद जैदी, निर्मल बसेर, वकार खान, विजय जैन, दशरथ सिंह राठौर, कचरमल जटिया,आशिफ छिपा, मनोहर नाहटा,नेहा जैन,राजेश चौधरी, साबिर हुसैन,चंद्रशेखर अहिरवार, दुर्गेश चंदेल, सुरेश कच्छारा,दिलीप देवड़ा, योगेन्द्र गौड़,सादिक गौरी,सावन मकवाना सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस जन शामिल हुए। यह जानकारी ब्लॉक कांग्रेस मीडिया प्रभारी वकार खान ने दी।

पचास रुपये किलो पहुंचा सेंधा नमक का भाव

❋ पनीर के फूल और खारक के भाव भी बढ़े ❋ पाकिस्तान से आयात पर लगी रोक, बाजार में मौजूदा स्टॉक से हो रही बिक्री

भोपाल/मंदसौर, 17 मई गुरु एक्सप्रेस। भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव का असर बाजार में दिखने लगा है। पाकिस्तान से आयात की जाने वाली खाद्य व अन्य वस्तुओं के भाव बढ़ने लगे हैं। सेंधा नमक 50 से 60 रुपये प्रतिकिलो हो गया है, जो 30 रुपये प्रतिकिलो मिलता था।

वहीं, पनीर के फूल (जड़ी-बूटी) के भाव 100 रुपये तक बढ़ गए हैं। इसका उपयोग मधुमेह नियंत्रण, अनिंद्रा, अस्थमा व मूत्र विकारों के दूर करने में किया जाता है। पाकिस्तान से छुआरा या खारक भी आता है, जिसके भाव में भी 100 रुपये तक की बढ़ोतरी देखी जा रही है। सूखे मेवे व जड़ी-बूटियों के थोक विक्रेताओं के अनुसार ऑपरेशन सिंदूर के बाद से पाकिस्तान से नया माल नहीं आ रहा है, जितना भंडारण में हैं, वो ही उपलब्ध है। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) भोपाल के अध्यक्ष धर्मेंद्र शर्मा ने बताया कि पाकिस्तान से संघर्ष के चलते और तुर्किए की ओर से पाकिस्तान की सहायता करने पर कैट ने वहां की वस्तुओं का व्यापार करने का बहिष्कार कर दिया है।

तुर्किए से मंगाते हैं यह वस्तुए-संगमरमर, सोना, सेब, सीमेंट, चूना, खनिज तेल समेत अन्य वस्तुएं भारत तुर्किए से आयात करता है। इनके दाम भी आगामी समय में बढ़ सकते है। लेकिन इनमें से भारत में भी इन वस्तुओं का उत्पादन होता है, इसलिए भाव में ज्यादा तेजी होने की संभावना कम ही दिखाई देती है।

पाकिस्तान से यह करते हैं आयात-पाकिस्तान से सेंधा नमक, सूखे मेवे, सीमेंट, पत्थर, चूना, कपास, ऑप्टिकल वस्तुएं, मुल्तानी मिट्टी, चमड़े की वस्तुएं, तांबा, सल्फर आते हैं। हालांकि सेंधा नमक के अलावा बाकी वस्तुओं का उत्पादन भारत में भी होता है। ऐसे में बाकी वस्तुओं के भाव नहीं बढ़े हैं।

ई प्रवेश प्रक्रिया प्रारम्भ

मंदसौर, 17 मई गुरु एक्सप्रेस। शासकीय कन्या महाविद्यालय, मंदसौर के प्राचार्य डा.सुधीर रायजादा ने बताया कि महाविद्यालय में सत्र 2025-26 में ई-प्रवेश प्रक्रिया तथा बी.काम में प्रारंभ हो चुका है। बी.कॉम में तीन वर्ष का बैंकिग, वित्तीय एवं बीमा सेवा के लिए रोजगारोन्मुखी स्नातक उपाधि कोर्स है। इस कोर्स के अंतर्गत जिले के एकमात्र शासकीय कन्या महाविद्यालय में म.प्र.शासन द्वारा पहली बार रोजगारोन्मुखी कोर्स प्रारंभ किया गया है। इस कोर्स का उद्देश्य विद्यार्थियों को डिग्री के साथ-साथ रोजगार की ओर प्रेरित करना एवं रोजगार उपलब्ध कराना है। इस कोर्स में कुल 30 सीटें है। अत: विद्यार्थियों को शीघ्र प्रवेश लेकर योजना का लाभ उठाना चाहिए।

रतलाम में पोल पर चढ़ा बिजलीकर्मी करंट लगने से नीचे गिरा, गुस्साए ग्रामीणों ने किया चक्काजाम

रतलाम, 17 मई गुरु एक्सप्रेस। रतलाम जिले में बिजली पोल पर लाइन सुधारने व अन्य कार्य करने के दौरान कर्मचारियों को करंट लगने की घटनाएं होती रहती है। पिपलौदा में एक माह पहले बिजली पोल पर चढ़ककर कार्य करने के दौरान आउटसोर्स बिजलीकर्मी 40 वर्षीय शांतिलाल पोरवाल की मौत हो गई थी।

वहीं शनिवार सुबह बिलपांक थाना क्षेत्र के ग्राम धानासुता में बिजली पोल पर कार्य कर रहे आउटसोर्स कर्मचारी 36 वर्षीय राकेश माली को करंट लग गया। वह कुछ पल वह पोल पर चिपका रहा तथा कुछ देर बाद नीचे गिर गया। उसे एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना से ग्रामीणों में रोष फैल गया तथा उन्होंने सड़क पर धरना देकर व चक्काजाम कर बिजली कंपनी के खिलाफ नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। जानकारी के अनुसार कर्मचारी राकेश माली निवासी ग्राम धानासुता शनिवार सुबह गांव में लगे एक बिजली पोल पर लाइन सुधारने के चढ़ा था। वह काम करके नीचे उतरने वाला था, तभी उसे करंट लग गया। इससे वह ऊपर ही चिपक गया।

सड़क पर धरना देकर नारेबाजी- आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे तथा एक व्यक्ति उसे उतारने के लिए पोल पर चढ़ा तथा उसके पास तक पहुंचता उसके पहले ही राकेश नीचे गिर गया। ग्रामीणों ने उसे उठाया तथा एक वाहन से अस्पताल लेकर पहुंचे। उधर, घटना को लेकर ग्रामीणों में रोष फैल गया। बड़ी संख्या में ग्रामीण बड़नगर-खाचरौद मार्ग पर पहुंचे तथा सड़क पर धरना देकर जाम लगाकर नारेबाजी करने लगे।

टीआई ने कहा- पुलिस कर रही मामले की जांच-कुछ देर बाद बिलपांक थाना प्रभारी अय्यूब खान, ग्रामीण कार्यपालन यंत्री शैलेंद्र गुप्ता आदि प्रदर्शन स्थल पर पहुंचे। ग्रामीणों ने बिजली कंपनी पर लापरवाही के आरोप लगाते हुए लापरवाही बरतने वाले पर कार्यवाही की मांग की। थाना प्रभारी अय्यूब खान ने कहा कि मामले की पुलिस जांच कर रही है तथा लापरवाही बरतने वाले पर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

कार्रवाई करने की कही बात- बिजली कंपनी के कार्यपालन यंत्री शैलेंद्र गुप्ता ने भी आश्ववासन दिया कि मामले की जांच कराकर जिसकी गलती होगी, उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इसके बाद प्रदर्शन समाप्त किया गया। कुछ समय बाद अधीक्षण यंत्री बेंजामिन फ्रेंकलीन अस्पताल पहुंचे तथा राकेश माली से उसके स्वास्थ्य के बारे में बात कर घटना की जानकारी ली। उन्होंने बताया कि घटना को लेकर कार्रवाई प्रक्रियाधीन है।

नारद जयंती पर परिचर्चा का आयोजन आज

नीमच, 17 मई गुरु एक्सप्रेस। शहर में पत्रकारिता के गुरू देवर्षी नारद जयंती महोत्सव पर एक परिचर्चा का आयोजन किया जाएगा। देवर्षि नारद लोक चिंतन में सूचना संचार के प्रथम प्रणेता विषय पर परिचर्चा होगी। इस परिचर्चा में उपस्थितों को डॉ. पंडित मिथलेश नागर (राष्ट्रीय संत), मुस्तफ़ा हुसैन वरिष्ठ पत्रकार, जितेंद्र पुरोहित वरिष्ठ पत्रकार देवास, डॉ. संजय जोशी वरिष्ठ प्रोफेसर नीमच का सान्निध्य रहेगा। कार्यकम रविवार 18 मई को दोपहर 1 बजे बाद स्वर्णकार समाज भवन में होगा।

❋❋ जाहिर सूचना ❋❋

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं श्यामलाल चौधरी के ड्रायविंग लायसेंस में मेरे पिताजी का नाम सत्यनारायणजी गलत है एवं मेरे पिता का सही नाम सत्यनारायण चौधरी है। अतः आईन्दा आगे से मेरे पिताजी के सही नाम सत्यनारायण चौधरी से ही उन्हें जाना एवं पहचाना जावें।

❋❋❋❋❋ भवदीय ❋❋❋❋❋

श्यामलाल चौधरी पिता सत्यनारायण चौधरी

पता-संजीत रोड, रेलवे फाटक के पास, मंदसौर

कार्यालय अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी मंदसौर (मप्र)

क्रमांक/ **मंदसौर दिनांक**

विज्ञप्ति

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि वाहन स्वामी श्रीमती ममता चौधरी पति बापूलाल चौधरी निवासी ग्राम संजीत, जिला-मंदसौर की मृत्यु दिनांक 28.07.2022 को हो चुकी है। इनके ट्रेक्टर जिसका रजिस्ट्रेशन क्रमांक एमपी 14 एडी 9665 को इनके पति बापूलाल चौधरी ने अपने नाम पर अंतरण दर्ज कराने हेतु इस कार्यालय में मूल दस्तावेज प्रस्तुत किये है।

इस प्रकाशन अवधि के सात दिवस में यदि किसी को आपत्ति हो तो इसे कार्यालय में प्रस्तुत करें। इसके पश्चात उक्त ट्रेक्टर को श्री बापूलाल चौधरी के नाम से अंतरण कर दिया जावेगा।

अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी, मंदसौर

॥ शोक संदेश ॥

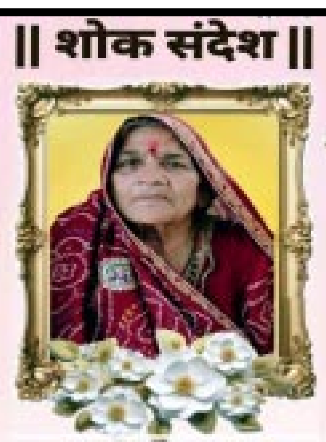

आदरणीय रिश्तेदारों एवं मित्रों,

आप सभी को अत्यंत दुःख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि श्रीमती चंद्रकांता शर्मा, धर्मपत्नी श्री मांगीलाल शर्मा (गांधीनगर, आबू रोड) का स्वर्गवास दिनांक 15 मई 2025 गुरुवार को हो गया है। जिनका अंतिम संस्कार दिनांक 16 मई 2025 शुक्रवार को हो गया है।

उनकी श्रद्धांजलि बैठक दिनांक 18 मई 2025 रविवार को शाम 5 से 6 बजे तक गांधीनगर (आबू रोड) निवास स्थान पर रखी गई है।

❋❋❋❋ शोकाकुल परिवार ❋❋❋❋

❋ देवीलाल शर्मा, ❋ उमाशंकर शर्मा, ❋ आशीष शर्मा, ❋ हेमन्त शर्मा, ❋ अजीत शर्मा एवं समस्त शर्मा परिवार

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीड्यिा एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 313880, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in